

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

मणिपुर में 2 नगा नागरिकों की हत्या, कुकी पर आरोप
सीएम बोले- कारयाराना हरकत; सितंबर में 13 की मौत, 7 महीने में 50 जान गई



सेनापति, एजेंसी। मणिपुर के सेनापति जिले के कलेंजांग गांव में मुखिया के घर में मौजूद लोगों पर हथियारबंद हमलावरों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में दो नगा लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना शनिवार दोपहर को हुई। मृतकों की पहचान रंकी माओ और कुमार पुमई के रूप में हुई है। घायलों की पहचान अदानी मैनीयो और आशिहो सानी के रूप में हुई है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय सूत्रों ने हमले के पीछे कुकी समुदाय के सदस्यों का हाथ होने का आरोप लगाया है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। हमलावरों की पहचान को लेकर भी पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सीएम खेमचंद सिंह ने इस हत्या को निर्दोष लोगों के खिलाफ कारयारतापूर्ण हिंसा बताया। सितंबर में चार जिलों में हुई अलग-अलग गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी से अब तक कम से कम 50 आम नागरिक मारे जा चुके हैं।

बोइंग 737 मैक्स विमान के सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी
दोबारा लैंडिंग के दौरान नेविगेशन फीचर काम नहीं करता; भारत में इस मॉडल के करीब 102 विमान



नई दिल्ली, एजेंसी। विमान बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग के 737 MAX विमान के सॉफ्टवेयर में एक गड़बड़ी सामने आई है। यह समस्या कॉम्पिट सॉफ्टवेयर के एक अपडेट से जुड़ी है। अगर लैंडिंग की पहली कोशिश असफल होने के बाद पायलट विमान का तय रुट बदलते हैं, तो एक खास स्थिति में यह गड़बड़ी हो सकती है। रॉयटर्स ने वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) के हवाले से यह खबर दी। WSJ को बोइंग कंपनी के कुछ दस्तावेजों हासिल हुए हैं जिनमें यह जानकारी मिली है। बोइंग ने कहा कि उसने पिछले महीने ही विमान मॉडल 737 MAX ऑपरेटरों को इस समस्या की जानकारी दे दी थी। इस समस्या को सुलझाने के लिए सॉफ्टवेयर को फिर से अपडेट किया जा रहा है। भारत में इस मॉडल के करीब 102 विमान हैं। हालांकि भारत के विमान इससे प्रभावित हैं या नहीं और कितने विमानों में यह समस्या है। इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दो अमेरिकी एयरलाइंस ने बोइंग के नए विमान लेने से मना किया। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने भी कहा कि उसे कुछ बोइंग 737 MAX विमानों के फ्लाइट कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर अपडेट में संभावित समस्या की जानकारी है। FAA ने बोइंग और एयरलाइंस के साथ मिलकर इसकी जांच शुरू कर दी है।

एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग ने 9 नियम बदले
बैठकों का एजेंडा जारी होगा, आईटी सिस्टम की जांच होगी; कांग्रेस बोली- ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दे



नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने शनिवार की बैठक में अपने कामकाज और चुनावी व्यवस्था से जुड़े 9 फैसले लिए। आयोग ने कहा कि बैठकों से पहले एजेंडा साझा किया जाएगा और बाद में फैसलों का रिकॉर्ड तैयार होगा। नए IT मॉड्यूल और पोर्टल को लागू करने से पहले उनकी समीक्षा भी की जाएगी। आयोग की बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार, दोनों निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी मौजूद रहे। अंदरूनी मतभेद के दावों के बीच आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) से जुड़े फैसले सर्वसम्मत से हुए थे। अदरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति जलाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। आयोग ने बैठक के बाद इन दावों पर भी अपनी बात रखी। वहीं कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग अंदरूनी मतभेद सामने आने के बाद अब डैमेज कंट्रोल की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस ने कई राज्यों चल रहे SIR को तुरंत रोकने और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे या उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।



नई दिल्ली/ देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। पहाड़ी से लगातार लैंडस्लाइड हो रही है, जिससे मार्ग खोलने में दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते हुए आज केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई और हेली सेवाएं भी बंद हैं। वहीं, देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी में रेड अलर्ट, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में यलो अलर्ट है। यूपी के लखनऊ, कानपुर,



अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने साबरमती डिवीजन में भारतीय रेलवे की कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में अमित

चार साल में 111 सांसद-विधायकों ने पार्टी बदली
इनमें 26% भाजपा में गए, नगालैंड और बंगाल में सबसे ज्यादा मामले; एडीआर रिपोर्ट



नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 2022 से 2026 के बीच चुनाव जीतने के बाद 111 सांसदों और विधायकों ने पार्टी बदली। इनमें 26 लोकसभा सांसद, 7 राज्यसभा सांसद और 78 विधायक शामिल हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिकॉर्म्स (ADR) और नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, पार्टी बदलने के सबसे ज्यादा मामले नगालैंड और पश्चिम बंगाल में सामने आए। नगालैंड में 32 विधायक NPF में शामिल हुए। इनमें से 25 विधायक पहले NDPP के टिकट पर चुने गए थे।

‘मन की बात’
सर्जिकल स्ट्राइक के 10 वर्ष, प्रधानमंत्री ने कहा दुनिया अब जानती है, आतंकवाद बर्दाश्त नहीं



नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने ‘मन की बात’ के 138वें एपिसोड में सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने रविवार को कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने एलओसी पर कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के कारण भारत ने लंबे समय तक दर्द झेला है। सर्जिकल स्ट्राइक इसी के खिलाफ निर्णायक जवाब था। पीएम ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। हमने अपना रुख बार-बार साफ किया है। आतंकवादी भारत पर हमला करेंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने 2008 के दिल्ली सीरियल

पीएम मोदी ने वीएचपी नेता अशोक सिंघल को किया याद... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान वीएचपी के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंघल को याद किया। उन्होंने कहा, ‘आज एक ऐसे महानुभाव की 100वीं जन्मजयंती है जिन्होंने संस्कृति, समाज और राष्ट्र के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। मैं बात कर रहा हूँ विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल जी की। उन्होंने समाज में रहकर तपस्वियों जैसा जीवन जिया। उन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन को जो दिशा दी, जो ऊर्जा दी, आज उसी का परिणाम है कि हम अयोध्या में भव्य मंदिर को साक्षात् देख रहे हैं’।

राजनाथ बोले: पाकिस्तान नहीं सुधरा तो हर कार्रवाई के लिए तैयार
राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे



नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को लेकर कहा कि अगर पड़ोसी देश आतंकवाद की अपनी राज्य नीति जारी रखता है, तो भारत आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करेगा। भारत किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता और न ही किसी को धमकी देना चाहता है। ये बातें उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी डिफेंस समिट 2026 में कहीं। भारत के अभियान और दूसरे देशों के साथ सहयोग हमेशा राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर होगा।

पीएम मोदी ने जनगणना को लेकर दिया संदेश
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। उत्तराखंड में जनगणना की शुरुआत चमोली के माणा गांव से हुई। माणा को देश का पहला गांव कहा जाता है। जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। मैंने 15 अगस्त को भी देशवासियों से आग्रह किया था कि इसके लिए अपना समय जरूर

ब्लास्ट और 26/11 मुंबई हमले हमले के 25 साल पूरे होने का को भी याद किया। साथ ही 9/11 जिक्र किया।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड, 4000 यात्री फंसे
यूपी में 65 घंटे से आंधी-बारिश, 60 मौतें; बिहार में बाढ़ से 500 घर डूबे, कोसी-गंडक उफान पर



से 2 दिनों में 60 लोगों की मौत हो चुकी है। किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें बर्बाद हो गई हैं। हजारां पेड़ और बिजली के पोल उखड़कर गिर गए हैं। बिहार में साइक्लोन अनंनब का असर अब कमजोर पड़ गया है। राज्य में पिछले 72 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। नेपाल के तराई क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते गंडक और कोसी नदियां उफान पर हैं। इससे 17 जिलों के करीब 6 हजार गांव टांपू बन गए हैं, जबकि करीब 500 घर बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। सुपौल के 50 गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

उत्ना, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 65 घंटे से बारिश हो रही है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आंधी-बारिश की वजह

जयशंकर बोले: आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस नीति सीमा पार कोई सरकार इसमें शामिल तो उसे जिम्मेदार ठहराना होगा, यह पूरी दुनिया के लिए चुनौती



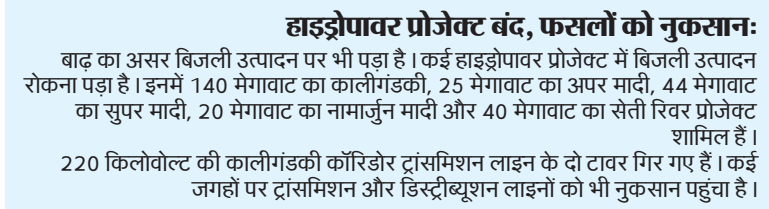
न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। सीमा पार कोई सरकार इसमें शामिल तो उसे जिम्मेदार ठहराना होगा। यह पूरी दुनिया के लिए चुनौती है। आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा के भारत के अधिकार का इस्तेमाल किया जाएगा। आतंकवाद और दोस्ती-सद्भावना साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद फैलाने वाले को अपना रवैया बदलना होगा। जयशंकर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 81वें सेशन को संबोधित कर रहे थे। जयशंकर ने फिलिस्तीन के लिए अलग देश बनाने का समर्थन किया: जयशंकर ने फिलिस्तीन के लिए अलग देश

बनाने का समर्थन किया। उन्होंने टू-नेशन सोल्यूशन यानी दो-राष्ट्र समाधान की बात कही। इसके तहत इजराइल और फिलिस्तीन, दोनों के लिए अलग-अलग स्वतंत्र देश बनाने का प्रस्ताव है, ताकि दोनों के लोग शांति और सुरक्षा के साथ रह सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भारत फिलिस्तीनी लोगों के लिए मानवीय सहायता और राहत प्रयासों में योगदान दे रहा है। जयशंकर के इस भाषण का वीडियो फिलिस्तीन भी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पर पोस्ट किया।



काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए हैं। अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। बागलुंग जिले में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया। हादसे में एक महिला और उसके तीन बेटों की मौत हो गई। पाल्पा जिले में 2 लोग मारे गए हैं। बाढ़ और भूस्खलन से कई घर और पुल बह गए हैं। कई जगह ढाँचे बंद होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। बुटवल में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में 1453 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर बह रही नारायणी नदी: लगातार बारिश के कारण नेपाल की कई नदियां का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। देवघाट में नारायणी नदी रविवार सुबह 7:45 बजे 11 मीटर पर बह रही थी। यह खतरे के निशान

नेपाल में फिर से बाढ़-लैंडस्लाइड, 6 की मौत
घर-पुल बहे, हाईवे बंद; एक महीने पहले आई बाढ़ में 1453 मौतें, 5500 से ज्यादा लापता



हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बंद, फसलों को नुकसान: बाढ़ का असर बिजली उत्पादन पर भी पड़ा है। कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में बिजली उत्पादन रोकना पड़ा है। इनमें 140 मेगावाट का कालीगंडकी, 25 मेगावाट का अपर मादी, 44 मेगावाट का सुपर मादी, 20 मेगावाट का नामार्जुन मादी और 40 मेगावाट का सेती रिवर प्रोजेक्ट शामिल हैं। 220 किलोवॉल्ट की कालीगंडकी कॉरिडोर ट्रांसमिशन लाइन के दो टावर गिर गए हैं। कई जगहों पर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइनों को भी नुकसान पहुंचा है। से 2 मीटर ऊपर है। अधिकारियों ने नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका जताई थी। बुटवल में बाढ़ के खतरे को देखते हुए करीब 200 परिवारों को उनके घरों से हटाया गया। कई इलाकों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों को पेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। मनांग जिले में हिमस्खलन से 10 लापता: नेपाल के मनांग जिले के नार-फू क्षेत्र में 7,126 मीटर ऊंचे हिमलुंग हिमाल पर हिमस्खलन हुआ है। इसके बाद पर्वतारोहियों और सपोर्ट स्टाफ समेत 10 लोगों का पता नहीं चल रहा है। एक्सपर्टिजन ऑपरेटर्स एसोसिएशन नेपाल के महासचिव ऋषि भंडारी ने रविवार को घटना की पुष्टि की। भंडारी के मुताबिक, लापता लोगों में 2 इमेजिन नेपाल प्रॉवेट लिमिटेड से और 8 हिमालयन हॉलीडेज नेपाल से जुड़े हैं। नेपाल के पर्यटन विभाग के महानिदेशक रामकृष्ण लामिछने ने बताया कि विभाग स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। अधिकारी घटना से जुड़े ज्यादा जानकारी जुटा रहे हैं और लापता लोगों का पता लगाने तथा उन्हें बचाने के प्रयासों की जानकारी ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूटीयू इंटरकॉलेजिएट पावर लिफ्टिंग टूर्नामेंट में टीएचडीसी आईएचईटी को 6 मेडल



नई टिहरी एजेंसी। राजधानी देहरादून में गत दिवस संपन्न हुए वीएमएसवी यूटीयू इंटरकॉलेजिएट पावर लिफ्टिंग टूर्नामेंट में टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रो पावर इंजीनियरिंग कॉलेज (टीएचडीसी-आईएचईटी) भागीधोपुरम नई टिहरी के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के छात्रों ने 2 स्वर्ण, 3 रजत, एक कांस्य सहित कुल 6 पदक अपने नाम किए। टीएचडीसी आईएचईटी के निदेशक प्रो. शरद कुमार प्रधान, विवेक कुमार, रमना त्रिपाठी ने विजेता छात्र-छात्राओं को बधाई दी है। बताया कि बीटेक सिविल इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष के छात्र अनिरुद्ध भट्ट ने 93 किलोग्राम, कंप्यूटर साइंस चतुर्थ वर्ष की छात्रा शिवानी रावत ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण, कंप्यूटर साइंस चतुर्थ वर्ष के आयुष सैनी ने 75 किलोग्राम, कंप्यूटर साइंस प्रथम वर्ष के हर्ष सविता ने 73 किलोग्राम और कंप्यूटर साइंस प्रथम वर्ष के आदित्य सेमवाल ने 83 किलोग्राम भार वर्ग में रजत जबकि कंप्यूटर साइंस द्वितीय वर्ष के छात्र वेदांशु नेगी ने 83 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। निदेशक प्रो. प्रधान ने कहा कि संस्थान में शैक्षणिक कार्य के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यक्रम नियमित संचालित किए जाते हैं।

लक्कर में नाले के पास मिला युवक का शव, दूटे थे दोनों पैर

हरिद्वार एजेंसी। लक्कर नगर के वार्ड नंबर 10 में रविवार को उस समय हड़कप मच गया, जब सड़क किनारे नाले के पास एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान अमित कुमार पुत्र राजेश के रूप में हुई है। युवक के दोनों पैर दूटे होने की बात सामने आने से मामला और भी संदिग्ध हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहल्ले के लोगों के मुताबिक, मृतक का शनिवार रात किसी युवक के साथ झगड़ा हुआ था। हालांकि, झगड़े और युवक की मौत के बीच कोई संबंध है या नहीं, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। लक्कर कोतवाली प्रभारी प्रवीण सिंह कोशायरी ने बताया कि लक्कर में सड़क किनारे नाले के पास एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसकी पहचान वार्ड नंबर 10 निवासी अमित कुमार पुत्र राजेश के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी।

गैर-औद्योगिक बहुमंजिला भवनों के लिए बड़ी राहत
बेटरमेंट लेवी अब 8 किस्तों में जमा होगी

जयपुर। गैर औद्योगिक भूखण्ड पर बहुमंजिला भवनों के निर्माण के लिए बेटरमेंट लेवी जमा कर भूखण्डों में देय से अधिक निर्माण किये जाने का रीको द्वारा नियमों में प्रावधान दिया गया है। जिससे निर्माणकर्ता भूखण्ड पर नियमानुसार यथाउचित निर्माण कर भूखण्ड का अधिकाधिक उपयोग कर सकता है। रीको ने बहुमंजिला गैर औद्योगिक भवनों में अधिकाधिक निर्माण को प्रोत्साहित करने हेतु तथा निर्माण कार्य के दौरान बेहतर वित्तीय प्रबन्धन हेतु, देय बेटरमेंट लेवी के भुगतान से संबंधित नियमों का सरलीकरण किया है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार जिन भूखण्डों पर बहुमंजिला भवन प्रस्तावित हैं, उन पर देय बेटरमेंट लेवी की राशि अब निर्धारित समयावधि में आठ किस्तों में जमा करवाई जा सकेगी। जो कि पूर्व में पांच किस्तों में जमा करने का प्रावधान था। रीको के नवीन संशोधन के तहत गैर औद्योगिक बहुमंजिला भवनों के भवन मानान्वय स्वीकृति जारी होने से पूर्व प्रथम किस्त के रूप में बेटरमेंट लेवी की राशि का 1 प्रतिशत तथा लागू 100 प्रतिशत जीएसटी जमा करवाना होगा। इसके बाद शेष बेटरमेंट लेवी की राशि को छः माही किस्तों में जमा कराया जा सकेगा। 6 किस्त 15 प्रतिशत की तथा अंतिम किस्त 9 प्रतिशत की होगी।

असम में संरक्षण आधारित पर्यटन पर जोर, काजीरंगा में 4.58 लाख पर्यटक पहुंचे

गुवाहाटी एजेंसी। असम के वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने रविवार को राज्य में वन्यजीव एवं प्रकृति पर्यटन के विस्तार के साथ संरक्षण और स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसरों के बीच संतुलन पर जोर दिया। मल्लबरुवा ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि 2025-26 में काजीरंगा में 4.58 लाख पर्यटक पहुंचे, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 4.22 लाख थी। उन्होंने कहा कि काजीरंगा का अनुभव अब केवल पारंपरिक सफारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए। नेचर और साइकिलिंग ट्रेल, इको-स्टे, स्थानीय व्यंजन परोसने वाले रेस्तरां तथा बोट सफारी के माध्यम से पर्यटकों को व्यापक प्राकृतिक परिदृश्य से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि असम में ऐसे पर्यटन मॉडल को मजबूत करने का उद्देश्य प्राकृतिक विरासत का संरक्षण, जिम्मेदार पर्यटन



को बढ़ावा देना और जंगलों के आसपास रहने वाले समुदायों तक संरक्षण से जुड़े आर्थिक लाभ पहुंचाना है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उन्होंने मानस राष्ट्रीय उद्यान का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार मानस में

पर्यटकों की संख्या 2021-22 में 52,962 से बढ़कर 2025-26 में 63,723 हो गई है। उन्होंने कहा कि अब संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए पर्यटन के अवसरों को पार्क की सीमाओं से बाहर तक ले जाने पर

ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में अवसर देने, सामुदायिक होमस्टे, जीप सफारी और अन्य नए अनुभव विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। मल्लबरुवा ने पोबितोरा को भी तेजी से उभरते प्रकृति-पर्यटन स्थल के रूप में रेखांकित किया। यहां 2025-26 में 35,371 पर्यटक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र से सटे समुदायों को संरक्षण गतिविधियों में शामिल करते हुए गाइडिंग और व्याख्या के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पर्यटन का उद्देश्य केवल वन्यजीवों का दर्शन कराना नहीं, बल्कि पर्यटकों को पूरे प्राकृतिक परिदृश्य से परिचित कराना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन संरक्षण को मजबूत करे और संरक्षण स्थानीय लोगों के लिए नए अवसर पैदा करे।

चांदमारी में तेज रफ्तार बोलरो ने डिलीवरी ब्लॉय को मारी टक्कर, चालक गिरफ्तार

गुवाहाटी एजेंसी। महानगर के चांदमारी इलाके में शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार बोलरो वाहन ने एक डिलीवरी ब्लॉय को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के संबंध में पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले बोलरो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि हादसे के बाद चालक ने खुद को पुलिस वाहन का चालक बताया था। हालांकि, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों के साथ ही चालक द्वारा खुद को पुलिस वाहन का चालक बताए जाने के दावे की भी जांच कर रही है। हादसे में गंभीर रूप से घायल डिलीवरी



40 रुपये का पेट्रोल भरवाया, 9,500 लूटे, पुलिस ने दबोचे



हरिद्वार एजेंसी। जनपद के भगवानपुर कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम पंप पर 40 का पेट्रोल भरवाकर कर्मचारी से 9 हजार 5 सौ की लूट करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपित वारदात के बाद फरार थे और पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाना बदल रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से लूट

की रकम में बचे 3,000 रुपये, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और 315 बोर का देशी तमंचा बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, 24 सितंबर की रात दो युवक पेट्रोल पंप पर पहुंचे और 40 का पेट्रोल भरवाकर कर्मचारी को 200 का नोट दिया। कर्मचारी ने 160 वापस किए। इसी दौरान लगातार ठिकाना बदल रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से लूट

सिकंदरपुर-सिरचंदी मार्ग पर चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को पकड़ा। पृष्ठताछ में दोनों ने पेट्रोल पंप लूट की घटना कबूल कर ली। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर लूट की रकम में से बचे 3,000, वारदात में इस्तेमाल बाइक और 315 बोर का तमंचा बरामद किया। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार आरोपितों में वंश उर्फ कृष् (19) पुत्र अशोक उर्फ नारायण, निवासी बहेड़ी गुर्ज, थाना गागलहेड़ी, सहारनपुर व अमित उर्फ ध्रुव (20) पुत्र नाथीराम, निवासी साधारणसिर, थाना नागल, सहारनपुर बताए गए हैं। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए उनका चालान कर दिया है।

यूएन महासभा: जयशंकर की कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात, ऊर्जा और एआई पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत की कूटनीतिक गतिविधियां तेज रही। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अलग-अलग बैठकों में कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई।

जयशंकर ने इन मुलाकातों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अलग-अलग देशों के साथ भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। कनाडा के साथ रिश्तों को लेकर क्या हुई बात : जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक की। उन्होंने इस मुलाकात को उपयोगी बताया। जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अपने

संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। बैठक में दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब भारत और कनाडा के संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में दोनों पक्षों की बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मेक्सिको के विदेश मंत्री से जयशंकर ने क्या चर्चा की : जयशंकर ने मेक्सिको के

विदेश मंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर ने इस बैठक की जानकारी भी साझा की। भारत और मेक्सिको के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग रहा है और संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई यह बैठक दोनों देशों के बीच संपर्क को आगे बढ़ाने का अवसर बनी।

जर्मनी की किस सलाह पर भड़का रूस: द्वितीय विश्व युद्ध की भी दिलाई याद, दोनों देशों के बीच तनाव क्यों बढ़ा

वॉशिंगटन,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में रूस और जर्मनी के बीच बढ़ती तलछी ने दुनिया का ध्यान खींचा। जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाइडफुल ने रूस से जर्मनी, यूरोप और नाटो की ओर बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस सलाह को मानने के बजाय जर्मनी के रुख पर ही सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि जर्मनी यूक्रेन का मुख्य समर्थक है और यूरोप में प्रमुख सैन्य शक्ति बनने की कोशिश कर रहा है।



सलाह दी थी:जर्मन प्रतिनिधिमंडल के एक अधिकारी के मुताबिक, वाइडफुल ने रूस से जर्मनी, यूरोप और नाटो गठबंधन की ओर बढ़ने वाले तनाव के कथित 'खतरनाक रास्ते' को छोड़ने की अपील की। उन्होंने रूस के साथ बेहतर संबंधों की संभावना से भी इनकार नहीं किया। हालांकि, इसके लिए रूस के नेतृत्व की ओर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने की वास्तविक इच्छा को जरूरी बताया। यानी जर्मनी की ओर से रूस को तनाव घटाने और यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया

गया।
लावरोव ने दूसरे विश्व युद्ध की याद क्यों दिलाई: जर्मनी की सलाह के जवाब में लावरोव ने बेहद तीखा सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पूछा कि क्या बर्लिन समझौता है कि मौजूदा स्थिति किस दिशा में जा सकती है। इसके बाद उन्होंने कहा, 'क्या उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के सबक नहीं सीखे?' लावरोव का यह बयान जर्मनी के मौजूदा सैन्य और विदेश नीति रुख को लेकर उनकी नाराजगी को दिखाता है।

सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी पर नरेंद्रनगर विधानसभा की टीम का कब्जा



नई टिहरी एजेंसी। खेल महाकुंभ 2026 के तहत आयोजित अंडर-14 सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी में नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। 25 और 26 सितंबर को पौड़ी के रांसी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में नरेंद्रनगर की टीम ने पौड़ी विधानसभा क्षेत्र की टीम को 3-0 से पराजित किया। फाइनल मुकाबले में नरेंद्रनगर के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। टीम ने तीन गोल कर पौड़ी को कोई मौका नहीं दिया और 3-0 से मुकाबला जीतकर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र की टीम विजेता और पौड़ी विधानसभा क्षेत्र की टीम उपविजेता रही। डीएम नीतिका खंडेलवाल ने चर्चानि खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया है। वहीं, खेलो इंडिया सेंटर पूर्णानंद स्टेडियम, मुनिकीरती टिहरी के 8 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय चैंपियनशिप (सीएम ट्रॉफी) के लिए हुआ है। खिलाड़ियों के इस चयन से खेलो इंडिया सेंटर एवं जनपद टिहरी गढ़वाल में खुशी का माहौल है। खिलाड़ियों ने भी सफलता का श्रेय प्रशिक्षकों एवं निरंतर अभ्यास को दिया है।

तमंचे के बल पर बाइक-मोबाइल लूट का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में तमंचे के बल पर बाइक, मोबाइल और पर्स लूटने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, आरसी, आधार कार्ड, पर्स और एक हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, वारदात में शामिल दो अन्य आरोपित अभी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस के मुताबिक, 24 सितंबर को अन्नेकी हेलमपुर, रोशनाबाद निवासी पंकज कुमार ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया था कि रानी रो नदी के पास दोपहर के समय चार अज्ञात युवकों ने तमंचे के बल पर उसकी पल्सर



बाइक और मोबाइल फोन लूट लिया। तहरीर के आधार पर थाना सिडकुल में चार अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों

की फुटेज खंगाली और वारदात में इस्तेमाल वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने नबीयत स्कूल के सामने लगने वाले पीठ मैदान के पास से दीपक और आकाश उर्फ पहाड़ी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पृष्ठताछ में आरोपितों ने बताया कि 23

सितंबर को थाना रायपुर, देहरादून क्षेत्र में एक महिला के गिरहण के प्रयास के मामले में गिरफ्तारी के डर से वे कार से हटोद्वार आये थे। अगले दिन एक साथी अपने घर चला गया, जबकि दीपक समेत चार युवक पेटागन मॉल के पीछे नदी के पास पहुंचे। पुलिस के अनुसार, वहां शराब

पीने के बाद पैसों की कमी के चलते आरोपितों ने नदी किनारे कार खड़ी की और कच्चे रास्ते से गुजर रहे बाइक सवार को रोक लिया। आरोप है कि तमंचे के बल पर बाइक सवार से पल्सर मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और पर्स लूटकर सभी मौके से फरार हो गए। पृष्ठताछ में आरोपितों ने यह भी बताया कि उनके दो अन्य साथी बाइक और मोबाइल फोन बेचने के लिए गए थे, लेकिन अभी तक वापस नहीं लौटे हैं। पुलिस अब वारदात में शामिल अन्य दो आरोपितों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

सऊदी अरब बनाएगा परमाणु हथियार: क्या ट्रंप भी कर रहे मदद, अमेरिका में क्यों बढ़ी चिंता, खुफिया आकलन में खुलासा

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच असीन्य परमाणु सहयोग समझौते को लेकर वाशिंगटन में चिंता बढ़ गई। इसकी बड़ी वजह अमेरिकी कांग्रेस को भेजा गया एक गोपनीय खुफिया आकलन है। इसमें कहा गया है कि सऊदी अरब ने परमाणु हथियार विकसित करने का विकल्प पंदा नहीं किया है। हालांकि, आकलन में यह नहीं कहा गया है कि सऊदी अरब ने परमाणु हथियार बनाने का फैसला कर लिया है। इसी समय ट्रंप प्रशासन रियाद के साथ अरबों डॉलर के परमाणु ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ा रहा है।

खुफिया आकलन में क्या कहा गया:अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, यह आकलन पिछले महीने कांग्रेस को भेजे गए गोपनीय दस्तावेजों में शामिल था। इसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है और सीआईए ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। आकलन का मुख्य बिंदु यह है कि रियाद ने परमाणु हथियार बनाने की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया है। यही बात अमेरिकी सांसदों की चिंता बढ़ा रही है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन के समझौते के तहत सऊदी अरब को अपने असीन्य परमाणु कार्यक्रम को

विकसित करने में अमेरिकी मदद मिल सकती है।
सऊदी के साथ परमाणु समझौता क्यों कर रहे ट्रंप: ट्रंप प्रशासन का कहना है कि समझौते से अमेरिका और सऊदी अरब के रिश्ते मजबूत होंगे और अमेरिकी कंपनियों के लिए अरबों डॉलर के कारोबारी अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही वाशिंगटन का तर्क है कि अगर अमेरिका परमाणु सहयोग नहीं करता है तो सऊदी अरब रूस या चीन से परमाणु तकनीक हासिल कर सकता है।अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा है कि अमेरिका सऊदी अरब के परमाणु हथियार कार्यक्रम का समर्थन नहीं करता और न ही करेगा। प्रशासन के अनुसार, समझौते में परमाणु अप्रसार से जुड़ी कूटनीतिक रूप से संभव सबसे मजबूत शर्तें शामिल हैं।
सऊदी को यूरेनियम संवर्धन की कितनी छूट:समझौते के तहत शुरुआत में सऊदी अरब में यूरेनियम संवर्धन की सीमा पांच प्रतिशत से कम रखने की व्यवस्था है। हालांकि, आगे अतिरिक्त अध्ययन और अलग लिखित समझौते के बाद संवर्धन को 20 प्रतिशत तक ले जाने का रास्ता खुल सकता है।

नॉर्डईस्टर ने अमेरिका में मचाई तबाही: समंदर उफना, सड़के डूबीं और हजारों घरों की बिजली गुल, सड़कों पर चर्ली नावें

वॉशिंगटन ,एजेंसी।अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्से में शनिवार को एक बेहद ताकतवर और धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहे नॉर्डईस्टर तूफान ने जमकर कहर बरपाया। तेज हवाओं ने जगह-जगह बिजली की सर्लाई उभ कर दी, जबकि ऊंची समुद्री लहरों और लगातार हो रही बारिश ने तटीय इलाकों में हालात बिगाड़ दिए। इस तूफान की चपेट में करोड़ों लोग आए और एक समय क्षेत्रों में करीब एक लाख बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के रह गए। मौसम विभाग ने साफ किया कि फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा के प्रमुख पूर्वानुमानकर्ता बॉब ओरवके ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पूर्वी अमेरिका में तेज हवाओं, ऊंची ज्वार-लहरों और भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

ऊंची लहरों और ज्वार ने तटीय इलाकों में बढ़ाई मुसीबत:मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार रात से रविवार तक न्यू जर्सी के अटलांटिक सिटी के उत्तर में समुद्र का ज्वार सबसे ज्यादा ऊंचा रहने की आशंका थी। इससे समुद्र के किनारे और खाड़ी वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर सड़कें डूबने का खतरा पैदा हो गया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा, 'इस सप्ताहांत पानी के पास जाना या पानी में उतरना अपनी जान को दांव पर लगाने जैसा है।'

लॉन्ग आइलैंड की सड़कों पर चर्ली नावें और कयाक:न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में पानी इतना भर गया कि कुछ लोग सड़कों पर कयाक चलाते नजर आए। न्यू जर्सी के तटीय इलाके सर्फ सिटी में मरीना चलाने वाले केनी फॉर्मिका घर बैठे अपने सूरक्षा कैमरों पर पानी को मरीना के अंदर घुसते देख रहे थे। फॉर्मिका ने बताया कि उनके मरीना की इमारत के अंदर पानी पहुंचना बेहद दुर्लभ है। उन्हें आखिर बार ऐसा 2012 में आए हरिकेन सैंडी के दौरान याद है। उस तूफान में उनके कारोबार को 40 लाख डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था।

रामपुर नैकिन और चुरहट में गूंजा सेवा संकल्प का संदेश, नुककड़ नाटक से दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

नशा मुक्ति, स्वच्छता, शिक्षा और जिम्मेदार नागरिकता पर कलाकारों ने किया जागरूक तीन स्थानों पर प्रस्तुतियों में उमड़ी नागरिकों की भीड़



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश संस्कृति संचालनालय एवं जिला प्रशासन

सीधी के संयुक्त तत्वावधान में संचालित सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत रामपुर नैकिन

और चुरहट क्षेत्र में तीन स्थानों पर नुककड़ नाटकों का आयोजन किया गया इन्द्रवती नाट्य

समिति, सीधी के कलाकारों ने अभिनय, संवाद और गीत-संगीत के माध्यम से नशा मुक्ति, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दिया प्रस्तुतियों के जरिए सामाजिक कुरीतियों और नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से सामने रखा गया अभियान के तहत पहला कार्यक्रम सान्दीपनि विद्यालय, रामपुर नैकिन में आयोजित हुआ दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस दौरान विद्यार्थियों और उपस्थित नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण की सामूहिक शपथ दिलाई गई कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह मुख्य

अतिथि तथा नगर परिषद अध्यक्ष रामकुमार साहू अध्यक्ष के रूप में मौजूद रहे कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. हरीश केसरवानी, कार्यक्रम संयोजक आशीष तिवारी राजा, विजय शंकर शुक्ला, पाषंद नरेन्द्र सिंह, रवि साकेत, वन समिति अध्यक्ष राजेश मिश्रा राजउ, प्राचार्य बद्री प्रसाद त्रिपाठी, प्रधानाचार्य प्रदीप मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मेरे सपनों का भारत पर रखे विचार: वरिष्ठ शिक्षक ज्ञान अग्निहोत्री ने अतिथियों का

स्वागत करते हुए 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विचार रखे। अतिथियों ने सेवा, स्वच्छता, शिक्षा और नशा मुक्ति के प्रयासों को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया इसके बाद रामपुर नैकिन बाजार और सामुदायिक भवन चुरहट में नुककड़ नाटक प्रस्तुत किए गए दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने प्रस्तुतियां देखीं कलाकारों ने मनोरंजक एवं प्रभावशाली अंदाज में

सामाजिक जिम्मेदारियों और नशे से होने वाले नुकसान को प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया नुककड़ नाटक में सजल मिश्रा, शुभ सिंह परिहार, वतन द्विवेदी, शिवम द्विवेदी, अवनी मिश्रा, स्वागत पटेल, देवेन्द्र

तिवारी, प्रियांशु मिश्रा एवं पीहू पांडेय ने अभिनय किया रोशनी प्रसाद मिश्र और नीरज कुंदेर के मार्गदर्शन में कलाकारों ने तीनों स्थानों पर प्रस्तुतियां दीं कार्यक्रम का संचालन आशुतोष द्विवेदी ने किया।



30 सितंबर तक शत-प्रतिशत नामांकन और पुस्तक वितरण पूरा करें, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा शनिवार को जिला पंचायत सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद ने की बैठक में नामांकन, अपार आईडी, प्रोफाइल अपडेशन, पुस्तक एवं गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय, मध्याह्न भोजन, छात्रावास, निर्माण कार्य, पेयजल, विद्युत और शौचालय सहित विभिन्न बिंदुओं की प्रगति की समीक्षा की गई सीईओ ने निर्देश दिए कि 30 सितंबर तक शत-प्रतिशत नामांकन और पुस्तक वितरण का कार्य पूरा किया जाए गणवेश वितरण के

लिए शेष विद्यार्थियों के बैंक खातों के सत्यापन का कार्य 10 अक्टूबर तक पूर्ण करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार अपार आईडी जनरेशन कराने के निर्देश दिए गए सभी विद्यालयों का स्वच्छ एवं हरित विद्यालय के रूप में पंजीयन और प्रशस्त एप पर शिक्षकों का ऑनबोर्डिंग भी समय-सीमा में पूरा करने को कहा गया।

कम प्रगति पर जताई नाराजगी: सिहावल और रामपुर नैकिन विकासखंडों में अपेक्षाकृत कम प्रगति मिलने पर सीईओ ने नाराजगी जताई उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए रामपुर नैकिन में अपार आईडी और नामांकन की प्रगति बढ़ाने तथा पात्र बालिकाओं का शीघ्र नामांकन कराने को कहा गया। शैक्षणिक भ्रमण और मॉनिटरिंग में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए तीन माह में एक भी शैक्षणिक भ्रमण नहीं करने वाले डाइट व्याख्याता विजय कृष्ण शुक्ला को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा प्रशस्त एप पर अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर मोबाइल स्रोत सलाहकार बृजेश कुमार त्रिपाठी का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए बैठक में अनुपस्थित अमले को भी नोटिस जारी करने को कहा गया।

छात्राओं से सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे, सही जवाब पर पेन-पुस्तक से किया सम्मान



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने रविवार को आदिवासी कन्या आश्रम शाला गांधी ग्राम का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और सामान्य ज्ञान की जानकारी ली। कलेक्टर ने छात्राओं से सामान्य ज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। सही उत्तर देने वाली छात्राओं को उन्होंने पेन और पुस्तक देकर पुरस्कृत किया तथा अन्य छात्राओं का भी उत्साहवर्धन किया कलेक्टर ने छात्राओं के बीच सहज वातावरण में संवाद करते हुए उन्हें अपने हाथों से मिठाई और नाश्ता भी परोसा। उन्होंने छात्राओं को पूरी लगन और तमयता के

साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि वे नियमित रूप से छात्राओं के बीच पहुंचकर आश्रम शाला की व्यवस्थाओं और उनकी पढ़ाई की स्थिति का जायजा लेते रहेंगे निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में स्वच्छता, भोजन व्यवस्था, छात्राओं की उपस्थिति एवं अनुशासन, शैक्षणिक गतिविधियों, स्वास्थ्य-सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया निरीक्षण में आश्रम शाला की व्यवस्थाएं संतोषजनक और बेहतर पाई गई छात्रावास में करीब 95 प्रतिशत छात्राओं की उपस्थिति मिली छात्राओं को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन दिया जा रहा था

नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ परिसर में स्वच्छता और अनुशासन भी पाया गया। इसके अलावा छात्राओं के लिए बागवानी, योग और सांस्कृतिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही थीं निरीक्षण के दौरान शिकायतों की स्थिति शून्य पाई गई व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए आश्रम शाला की बेहतर व्यवस्थाओं और प्रबंधन से प्रभावित होकर कलेक्टर ने अधीक्षिका कांति वर्मा के कार्यों की सराहना की उन्होंने उत्कृष्ट प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए कांति वर्मा को बेस्ट मैनेजमेंट-बेस्ट स्टार ऑफ द मंथ सम्मान के लिए चयनित करने के निर्देश दिए संबंधित विभाग को उन्हें 28 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किए जाने के लिए आमंत्रित करने को कहा गया निरीक्षण के दौरान सहायक परियोजना प्रशासक पी.के. पाण्डेय, मंडल संयोजक संजय सिंह, अधीक्षिका कांति वर्मा, आश्रम शाला के कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रही।

रीवा में 128 हाजियों का सम्मान, भाईचारे और मोहब्बत का संदेश समाज तक पहुंचाने का आह्वान



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निपनिया स्थित दुल्हन मैरिज गार्डन में उलेमा-ए-इकराम एवं अहले सुन्नत वल जमात की ओर से हाजियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में वर्ष 2026 में हज यात्रा से लौटे रीवा जिले के 63 हाजियों तथा आगामी हज यात्रा पर जाने वाले 65 हाजियों सहित हज कमेटी के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में हाजी अब्दुल रहमान फारूकी, हाजी इश्तियाक खान एवं हाजी अब्दुल कलाम खान मौजूद रहे मुख्य अतिथि इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने हाजियों को हज की दिली मुबारकबाद देते हुए कहा कि प्रत्येक मुस्लिम व्यक्ति की इच्छा होती है कि वह जीवन में कम से कम एक बार हज यात्रा करे उन्होंने कहा कि पहले हज का सफर काफी कठिन हुआ करता था लेकिन आधुनिक तकनीक और हवाई सेवाओं के विस्तार से यात्रा अपेक्षाकृत आसान हुई है। उन्होंने कहा कि हज केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि त्याग तपस्या और समर्पण की भावना से जुड़ा अवसर भी है। हज के दौरान विभिन्न देशों और क्षेत्रों से आए लोग बिना भेदभाव एक साथ धार्मिक अनुष्ठान पूरा करते हैं यह समानता, एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है समारोह में रीवा जिले के हाजियों का माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र यानी एजाज नामा प्रदान किया गया आगामी हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों की शुभकामनाएं दी गई हज कमेटी की ओर से मुख्य अतिथि इंजी. राजेन्द्र शर्मा को उनकी तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। शर्मा ने हाजियों से अपील की कि हज यात्रा के दौरान मिले भाईचारे, समानता और मोहब्बत के संदेश को समाज में आगे बढ़ाएं उन्होंने कहा कि समाज में आपसी सद्भाव और सहयोग की भावना को मजबूत करने में ऐसे संदेश महत्वपूर्ण हैं कार्यक्रम का संचालन शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष वसीम राजा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन लियाकत अली ने किया कार्यक्रम के व्यवस्थापक तनवीर अहमद खान रहे इस अवसर पर मौलाना नदीम, मौलाना सफी, मौलाना रियाजत, मौलाना अब्दुल सफी, डॉ. रईस खान, डॉ. हाजी अनीस सिद्दीकी, मुस्तहाक खान, उरो अहमद, रफीक अंसारी, माजिद खान, रफीक मनिहार, डॉ. तारिक कमाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं हाजी उपस्थित रहे।

रीवा में नशे में मिले प्रभारी प्राचार्य सस्पेंड,कलेक्टर के स्कूल निरीक्षण के बाद कार्रवाई, मेडिकल जांच के निर्देश दिए गए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के महासांव शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रभारी प्राचार्य को निर्वाचित कर दिया गया है शनिवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निरीक्षण के दौरान प्राचार्य के शराब के नशे में होने का आरोप सामने आया था कलेक्टर ने मौके पर ही जिला शिक्षा अधिकारी को उनकी मेडिकल जांच कराने और निलंबन का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए थे इसके बाद अब निलंबन की कार्रवाई की गई है कलेक्टर शनिवार को जन विश्वास अभियान के तहत गुदु में आयोजित जन विश्वास शिविर में शामिल होने जा रहे थे रीवा से गुदु जाते समय उन्होंने महसूस के सरकारी स्कूल का निरीक्षण किया था इस दौरान स्कूल में

पढ़ाई और व्यवस्थाओं से जुड़ी कई कमियां मिलीं। निरीक्षण के दौरान कक्षा 11वीं और 12वीं की जीव विज्ञान तथा कक्षा छठवीं की हिंदी विषय की किताबों का वितरण नहीं हुआ था वहीं 9 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति की ई-कॉपी भी लंबित मिली कलेक्टर ने संबंधित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए प्रभारी प्राचार्य से भी व्यवस्थाओं को लेकर जवाब मांगा गया लेकिन वे स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए इसी दौरान उनके शराब के नशे में होने की बात सामने आई। निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर और पुराने भवन के पीछे जलभराव कलेक्टर ने पानी की निकासी के लिए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यालय अधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट के बाद इन्फ्लुएंसर निधि तिवारी की मौत, फोन कॉल और गतिविधियों की जांच



मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। मोरवा थाना क्षेत्र में 30 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निधि तिवारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह उनका शव घर के कमरे में मिला मौत से पहले निधि ने फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट साझा की थी पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच

शुरू कर दी है। निधि सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय थीं। फेसबुक पर उनके करीब 9 लाख 28 हजार और इंस्टाग्राम पर 7 लाख 12 हजार फॉलोअर्स बताए गए हैं वह गानों पर डांस रीलस बनाकर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती थीं स्थानीय कार्यक्रमों में भी उनकी सक्रियता रहती थी। वर्ष 2024 में उन्होंने मिस प्रिटी इंडिया का खिताब जीता था बताया गया है कि उनका सपना फिल्में में अभिनय करने का था।

दिल्ली निवासी युवक से फोन पर हुई थी बहस: परिजनों के अनुसार शनिवार रात करीब 8 बजे निधि की दिल्ली निवासी सोनू सिंह नामक युवक से फोन पर बहस हुई थी बातचीत के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा की और अपने कमरे में

चली गई रात में परिजनों ने उनसे दरवाजा खोलने और खाना खाने के लिए कहा लेकिन उन्होंने अकेला छोड़ने की बात कही। रविवार सुबह काफी देर तक कमरे से प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पोस्ट और कॉल डिटेल की जांच: मोरवा थाना प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह के मुताबिक, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था अब परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं पुलिस निधि के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच कर रही है, ताकि उनकी मौत से पहले की परिस्थितियों और संपर्क में रहे लोगों के संबंध में तथ्य सामने आ सकें।

संभाग स्तरीय बैडमिंटन में रीवा ने मारी बाजी, सीधी रही उपविजेता प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने लिया हिस्सा, खिलाड़ियों ने दिखाया खेल कौशल



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के

अनुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर

महाविद्यालय सीधी में संभाग स्तरीय पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

प्रतियोगिता में रीवा संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लेकर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और निरंतर प्रयास की सीख भी देता है उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ मैदान में उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अतिथियों का स्वागत किया उन्होंने कहा कि महाविद्यालय को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिलना गौरव की बात है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से अनुशासन बनाए रखते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की।

रोमांचक रहे मुकाबले: प्रतियोगिता के दौरान पुरुष वर्ग में विभिन्न टीमों के बीच मुकाबले हुए खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल, तकनीक और खेल कौशल का प्रदर्शन किया कुछ मुकाबलों के बाद रीवा की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया जबकि सीधी की

टीम उपविजेता रही समापन अवसर पर क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर के.एस. नेताम ने विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दी उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों के अनुशासन और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी प्रतियोगिता में कैलाश वर्मा एवं शक्ति सिंह बघेल ने निर्णायक की भूमिका निभाई समापन अवसर पर महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. रविंद्र नाथ सिंह ने अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चुनाव आयोग ने दिया जवाब

यह आवश्यक था कि चुनाव आयोग उस खबर का संज्ञान लेता कि मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यशैली से दोनों चुनाव आयुक्त नाखुश हैं और वे उनके फैसलों पर असहमति दर्ज कराते रहे हैं। हालांकि ऐसी खबर आने के बाद चुनाव आयोग ने यह स्पष्टीकरण जारी किया था कि जो भी फैसले लिए गए, वे सहमति से लिए गए, लेकिन इसके बाद भी यह संदेह खड़ा किया गया कि क्या इस स्पष्टीकरण पर दोनों आयुक्तों की भी सहमति है? गत दिवस तीनों चुनाव आयुक्तों ने बैठक कर न

केवल इस संदेह का निराकरण किया, बल्कि उन अनेक प्रश्नों के उत्तर भी दिए, जो चुनाव आयोग के कामकाज और विशेष रूप से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर उठे थे।

वास्तव में यह संभव ही नहीं कि मुख्य चुनाव आयुक्त अपने हिसाब से फैसले ले सकें, क्योंकि चुनाव आयोग का प्रविधान यह कहता है कि आयोग के फैसले या तो सर्वसम्मति से होंगे या फिर बहुमत से। इस तथ्य के बाद भी तिल का ताड़

बनाया गया और एक ऐसा मॅरिटव खड़ा किया गया, मानो मुख्य चुनाव आयुक्त जगेश कुमार के आगे दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी असहाय और निष्पाय हैं। अब यह स्पष्ट हुआ कि ऐसा नहीं है।

इसी के साथ यह भी साफ हुआ कि दोनों आयुक्तों की ओर से कैबिनेट सचिव को लिखी गई चिट्ठी को गलत संदर्भ में पेश किया गया, लेकिन इसका

दुष्परिणाम यह रहा कि विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त और मोदी सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। वैसे तो तीनों चुनाव आयुक्तों की बैठक और उसके बाद जारी बयान ने

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ छेड़े गए विपक्ष के अभियान की हवा निकाल दी है, लेकिन यह तय है कि वह चुप नहीं बैठने वाला। इसका संकेत कांग्रेस के प्रवक्ता की

ओर से चुनाव आयोग की प्रेस विज्ञप्ति में जो कुछ कहा गया, उससे असंतोष जताने से मिलता है। इसके अतिरिक्त इसकी भी अनदेखी न की जाए कि विपक्ष एसआईआर को वोट चोरी का नाम देकर उसके खिलाफ पहले से ही अभियान छेड़े हुए है। उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है कि एसआईआर के खिलाफ उसकी कोई भी दलील सुप्रीम कोर्ट के समक्ष टिक नहीं रही। इसके बावजूद उसे चैन नहीं है। उसकी बैचैनी का कारण यह है कि उसे मनचाही चुनावी सफलता नहीं मिल

रही है। वह अपनी कमजोरियों को दूर करने के स्थान पर अपनी चुनावी विफलताओं का दोष चुनाव आयोग पर मढ़ना अधिक आसान समझ रहा है। कायदे से अब जब चुनाव आयोग ने एसआईआर को और सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के निर्णय लिए हैं, तब विपक्ष को इस प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए, क्योंकि वह कितना भी शोर मचाए, यह प्रक्रिया थमने वाली नहीं है। यह थमनी भी नहीं चाहिए, क्योंकि मतदाता सूचियों को शुद्ध करना समय की मांग है।

ग्रामीण उद्यमिता से बदलती तस्वीर

कार्तिलाल मांडेठ

 स्टार्टअप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम के दस वर्ष पूरे होना ग्रामीण भारत में उद्यमिता के विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्ष 2016 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य गांवों में रहने वाले लोगों को केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें अपना छोटा कारोबार शुरू करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण देना रहा है। दस वर्षों के दौरान इस पहल ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार की संभावनाओं को मजबूत किया है और अनेक परिवारों को आय का नया साधन उपलब्ध कराया है।
 इस कार्यक्रम की सफलता का सबसे बड़ा उदाहरण केरल है, जहां देश में सर्वाधिक 62,166 उद्यम शुरू हुए हैं। पूरे देश में जून 2026 तक 4.32 लाख से अधिक उद्यमों को इस योजना के माध्यम से मदद मिली है। केरल के बाद बिहार में 35,899 और झारखंड में 34,481 उद्यम शुरू हुए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे कारोबार को बढ़ावा देने वाली योजनाएं अब अलग-अलग राज्यों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का आधार बन रही हैं।
 केरल में इस कार्यक्रम को लागू करने की जिम्मेदारी कुटुंबश्री ने संभाली। इसका परिणाम केवल उद्यमों की संख्या में वृद्धि के रूप में नहीं आया, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के जीवन में भी बदलाव दिखाई दिया। कुटुंबश्री से सहायता प्राप्त उद्यमों से 84,538 लोग जुड़े हैं और इनमें 90 प्रतिशत से अधिक उद्यम महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। लगातार आधे उद्यम मुनाफे में चल रहे हैं, जबकि करीब 12.5 प्रतिशत उद्यमों को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश लोगों की मासिक आय 10 हजार रुपये से अधिक बताई गई है।
 कल्लूरीपुर की क्रिस्टल बाई इसका उदाहरण हैं। वे पहले कपड़े के थैले सिलती थीं, लेकिन बाजार और कारोबार का अनुभव सीमित था। कुटुंबश्री से जुड़ने के बाद उन्हें उद्यम शुरू करने और आगे बढ़ाने में सहायता मिली। उन्होंने चैतन्य कलॉथ बैग नाम से अपना कारोबार खड़ा किया और अब उनकी मासिक आय तीन से चार लाख रुपये तक पहुंच गई है। यह उदाहरण बताता है कि किसी व्यक्ति में हुनर पहले से मौजूद हो तो उचित मार्गदर्शन और बाजार से जोड़ने की व्यवस्था उसे छोटे काम से सफल उद्यम तक पहुंचा सकती है।
 ग्रामीण उद्यमिता का सामाजिक लाभ केवल आमदनी बढ़ने तक सीमित नहीं रहता। जब किसी परिवार का एक सदस्य अपना कारोबार शुरू करता है तो परिवार की आर्थिक सुरक्षा बढ़ती है। स्थानीय स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता बढ़ती है और गांव के लोगों को छोटी जरूरतों के लिए दूर के बाजारों पर निर्भरता कम होती है। स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से परिवहन, कच्चे माल, पैकेजिंग, बिज्ली और दूसरी सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए भी काम के अवसर पैदा होते हैं। महिलाओं के लिए इसका प्रभाव और व्यापक है। जब महिलाएं अपनी आय अर्जित करती हैं तो परिवार के आर्थिक फैसलों में उनकी भागीदारी बढ़ती है। कारोबार चलाने के दौरान उन्हें ग्राहकों से संपर्क, बाजार की समझ, पैसों का प्रबंधन और निर्णय लेने का अनुभव मिलता है। इससे आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। कई महिलाएं समूह बनाकर सरस जैसे नामों से सामूहिक उद्यम भी चला रही हैं। समूह आधारित कारोबार महिलाओं को अकेले जोखिम उठाने के बजाय मिलकर काम करने का अवसर देता है। एसवीईपी की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ग्रामीण व्यक्ति को केवल लक्ष्य काराकर छोड़ नहीं दिया जाता। माइक्रो एंटरप्राइज कंसल्टेंट यह तय करने में सहायता करते हैं कि कौन सा कारोबार शुरू किया जा सकता है, उसके लिए पूंजी कहां से आएगी, मशीनों और कच्चा माल कहां से मिलेगा तथा बाजार तक उत्पाद कैसे पहुंचाया जाएगा। इस प्रकार विचार से लेकर कारोबार खड़ा करने तक मार्गदर्शन मिलने से नए उद्यमियों के सामने आने वाली शुरुआती कठिनाइयां कम होती हैं। ग्रामीण भारत में बेरोजगारी और सीमित आय के बीच ऐसे कार्यक्रमों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हर व्यक्ति को बड़े शहर में जाकर नौकरी करना संभव नहीं होता। यदि गांव में ही उत्पादन, सेवा या व्यापार का अवसर उपलब्ध हो तो लोगों को अपने क्षेत्र में रहकर आय अर्जित करने का विकल्प मिलता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और शहरों की ओर रोजगार के लिए होने वाले पलायन का दबाव भी कम हो सकता है।

केवल इस संदेह का निराकरण किया, बल्कि उन अनेक प्रश्नों के उत्तर भी दिए, जो चुनाव आयोग के कामकाज और विशेष रूप से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर उठे थे।

वास्तव में यह संभव ही नहीं कि मुख्य चुनाव आयुक्त अपने हिसाब से फैसले ले सकें, क्योंकि चुनाव आयोग का प्रविधान यह कहता है कि आयोग के फैसले या तो सर्वसम्मति से होंगे या फिर बहुमत से। इस तथ्य के बाद भी तिल का ताड़

बनाया गया और एक ऐसा मॅरिटव खड़ा किया गया, मानो मुख्य चुनाव आयुक्त जगेश कुमार के आगे दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी असहाय और निष्पाय हैं। अब यह स्पष्ट हुआ कि ऐसा नहीं है।

इसी के साथ यह भी साफ हुआ कि दोनों आयुक्तों की ओर से कैबिनेट सचिव को लिखी गई चिट्ठी को गलत संदर्भ में पेश किया गया, लेकिन इसका

दुष्परिणाम यह रहा कि विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त और मोदी सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। वैसे तो तीनों चुनाव आयुक्तों की बैठक और उसके बाद जारी बयान ने

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ छेड़े गए विपक्ष के अभियान की हवा निकाल दी है, लेकिन यह तय है कि वह चुप नहीं बैठने वाला। इसका संकेत कांग्रेस के प्रवक्ता की

ओर से चुनाव आयोग की प्रेस विज्ञप्ति में जो कुछ कहा गया, उससे असंतोष जताने से मिलता है। इसके अतिरिक्त इसकी भी अनदेखी न की जाए कि विपक्ष एसआईआर को वोट चोरी का नाम देकर उसके खिलाफ पहले से ही अभियान छेड़े हुए है। उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है कि एसआईआर के खिलाफ उसकी कोई भी दलील सुप्रीम कोर्ट के समक्ष टिक नहीं रही। इसके बावजूद उसे चैन नहीं है। उसकी बैचैनी का कारण यह है कि उसे मनचाही चुनावी सफलता नहीं मिल

रही है। वह अपनी कमजोरियों को दूर करने के स्थान पर अपनी चुनावी विफलताओं का दोष चुनाव आयोग पर मढ़ना अधिक आसान समझ रहा है। कायदे से अब जब चुनाव आयोग ने एसआईआर को और सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के निर्णय लिए हैं, तब विपक्ष को इस प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए, क्योंकि वह कितना भी शोर मचाए, यह प्रक्रिया थमने वाली नहीं है। यह थमनी भी नहीं चाहिए, क्योंकि मतदाता सूचियों को शुद्ध करना समय की मांग है।

पितरों के प्रति श्रद्धा त्यक्त करने का अनुष्ठान

हमारे शास्त्रों में पूर्वजों की आत्मा की शांति पूजा के लिए वर्ष के 15 दिन बहुत खास माने जाते हैं, इन्हें पितृ पक्ष कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं इसलिए इस दौरान पितरों के निमित श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान आदि करने का विधान है। पितृ पक्ष में सोलह श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और पूर्वज परिजन को खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं।

मान्यता है कि पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों का ऋण चुकता हो जाता है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।वह परिवारजन को खुशहाली का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

हर्षवर्धन पांडे

ऋषियों ने हमारे संपूर्ण जीवन चक्र को सोलह संस्कारों में बांथा है। जहां गर्भदान, प्रथम संस्कार है वहीं अंत्येष्टि अंतिम। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक सोलह दिनों को पितृ पक्ष कहा जाता है। श्राद्ध के द्वारा पितृ ऋण से निवृत्ति प्राप्त होती है इसलिए पितृ पक्ष के दौरान भक्ति पूर्वक तर्पण (पितरों को जल देना) करना चाहिए।हिंदू धर्म में श्राद्ध और तर्पण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। यह प्रक्रिया पितरों (पूर्वजों) के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक तरीका है। शास्त्रों के अनुसार, श्राद्ध और तर्पण से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उनकी कृपा से परिवार में सुख, शांति, और समृद्धि आती है। पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान बड़ी संख्या में किया जाता है। सही मायनों में कहा जाए तो श्राद्ध का उद्देश्य पितरों की आत्मा को तृप्ति प्रदान करना है। मान्यता है कि पितरों का आशीर्वाद न मिलने से रक्त संबंधित व्यक्ति और उसके परिवार में समस्या आ सकती है। ब्रह्म पुराण और विष्णु पुराण सहित अन्य पुराणों के अनुसार, श्राद्ध और तर्पण के माध्यम से हम पितरों को जल, अन्न और अन्य सामग्री अर्पित करते हैं, जिससे उनके आत्मा संतुष्ट होती है। विशेष रूप से पितृ पक्ष (सोलह श्राद्ध) में यह प्रक्रिया को जाती है। भारतीय पुराणों में तीन ऋणों का उल्लेख है देव ऋण , मनुष्य ऋण और पितृ ऋण। देव पूजन जितना आवश्यक है पितरों के निमित श्राद्ध कर्म करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 18 महापुराणों में भी श्राद्ध, तर्पण

और पितरों के पूजन का विभिन्न रूपों में उल्लेख मिलता है। शास्त्रों में विशेष तिथि श्राद्ध के दिन दैहिक कर्म करने के बाद विभिन्न प्रकार के श्राद्ध होते हैं जैसे कि एकोदित् श्राद्ध, नित्य श्राद्ध, नैमित्तिक श्राद्ध, सोरस श्राद्ध (सोलह बाढ़) और महालय श्राद्ध।इन्हें समय-समय पर किया जाना चाहिए क्योंकि पितरों की अपेक्षाएं और भावनाएं हमारे साथ जुड़ी होती हैं।यदि पितर अतृप्त होते हैं तो उनके रक्त संबंधी या करीबी को वह आजीवन प्रभावित करते हैं जिससे उन्हें जीवनमें अनेक समस्याओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। श्राद्ध के प्रतीक कुश, तिल, गाय, कौआ, कुत्ते को श्राद्ध के तत्व के प्रतीक के रूप में माना जाता है। कुश के अग्रभाग में ब्रह्मा, मध्य भाग में विष्णु,मूल भाग में भोलेशंकर भगवान का निवास माना गया है।कौआ यम का प्रतीक है जो दिशाओं का फलक बताता है। गौ माता तो हिंदू धर्म में सारी वैतरणी को पार लगाने वाली माता के रूप में देखा जाता है। दिन की शुरुआत से पहले गाय को पहली रोटी देने की परम्परा अपने देश में बरसों से चली आ रही है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष या श्राद्ध पक्ष में दान का विशेष महत्व माना गया है जिससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। कहते हैंपितृ पक्ष के इन 15 दिनों में अपने पितरों के नाम का दान जरूर करना चाहिए जिससे महापुण्य की प्राप्ति होती है लेकिन कुछ ऐसी भी चीजें हैं जिनका पितृ पक्ष में दान नहीं करना चाहिए। पितृ पक्ष में लोह से बने बर्तनों का कभी भी दान नहीं करना चाहिए। इसके अलावा आप चाहें तो पीतल, सोने और चांदी के बर्तनों का

दान कर सकते हैं। पितृ पक्ष में चमड़े से बनी चीजों या वस्तुएं का इस्तेमाल निषेध है। माना जाता है कि पितृ पक्ष में चमड़े का प्रयोग बहुत अशुभ होता है।इसके अलावा, पितृ पक्ष में पुराने कपड़े भी दान में देना अच्छा नहीं माना जाता है। पितृ पक्ष में हमेशा ब्राह्मणों को नए वस्त्र ही दान करने चाहिए। हिंदू पूजा और सभी अनुष्ठानों में काले रंग का इस्तेमाल करना निषेध होता है, साथ ही अशुभ भी होता है इसलिए पितृ पक्ष में काले रंग के वस्त्र दान करने से बचें। पितृ पक्ष में किसी भी तरह का तेल दान में नहीं करना चाहिए। सरसों के तेल के दान से बचना चाहिए। इसी तरह से श्राद्ध पक्ष में पितरों को सिर्फ शुद्ध एवं ताजा भोजन ही अर्पित करना चाहिए। पितरों को गलती से भी झूठ या बचा खाना नहीं देना चाहिए। पितृ पक्ष में अगर कोई जानवर या पक्षी आपके घर आए, तो उसे भोजन जरूर कराना चाहिए। मान्यता है कि पूर्वज इन रूपों में कभी भी आपके घर आ सकते हैं। हमारे पुराने घरों में चिड़ियों को दाना डालने की भी पुराणी परंपरा रही है। पितृ पक्ष में पत्तन पर भोजन करें और ब्राह्मणों को भी पत्तल में भोजन कराएं, तो यह फलदायी होता है। पूजा-अनुष्ठान, उद्यापन, कथा, विवाह आदि में चाहे ब्राह्मणों की परीक्षा न करें, लेकिन घर पर पितृ कार्य में अवश्य करें। समस्त लक्षणों से युक्त, हाथ का सच्चा, व्याकरण का विद्वान, शील एवं सद्गुणों से युक्त, तीन पीढ़ियों से विख्यात ब्राह्मणों के द्वारा संयत रहकर श्राद्ध सम्पन्न करे तो यह परिवार के लिए फलदायी रहता है। श्राद्ध पांच प्रकार के होते हैं जिनमें पितृपक्ष के श्राद्ध पावर्ण श्राद्ध कहलाते हैं। इनमें अपराह व्यापिनी तिथि को प्रधानता है।

जिनकी मृत्यु तिथि का ज्ञान न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या को करना चाहिए। श्राद्ध हमेशा मृत्यु होने वाले दिन करना चाहिए। अग्नि में जलकर, विष खाकर, दुर्घटना में या पानी में डूबकर, शस्त्र आदि से जिनकी मृत्यु हुई हो उनका श्राद्ध चतुर्दशी को करना चाहिए। आश्विन कृष्ण पक्ष में सनातन संस्कृति को मानने वाले सभी लोगों को प्रतिदिन अपने पूर्वजों का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए, इससे पितर संतुप्त होकर हमें आशीर्वाद देते हैं।आज की नई पीढ़ी इन सब चीजों को ढकोसला बताती है जो सही नहीं है। भारतीय कर्मकांड को आज विज्ञान भी मान रहा है। आश्विन मास का कृष्ण पक्ष पितरों के लिए महत्वापे का समय है। इसमें ये पिंडदान और तिलांजलि की आशा लेकर पृथ्वी लोक पर आते हैं इसलिए श्राद्ध का कभी भी परित्याग न करें, अपने पितरों को संतुष्ट जरूर करें वषी आपके जीवन में खुशहाली आ सकती है अन्यथा जीवन भर कष्ट का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विष्णु पुराण में पितरों के श्राद्ध और तर्पण का महत्त्व बताया गया है। इसमें कहा गया है कि पितरों को अर्पित जल और अन्न से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। इसी तरह से ब्रह्म पुराण में पितरों के लिए श्राद्ध की विधियों का विवरण इस पुराण में मिलता है जिसमें यह भी बताया गया है कि पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए विशेष तिथि पर श्राद्ध करना आवश्यक है। वहीं शिव पुराण में श्राद्ध की प्रक्रिया और इसके लाभों का उल्लेख मिलता है। भागवत पुराण में पितरों के तर्पण और श्राद्ध की विधियां और उनका महत्व वर्णित है। इसमें

पितरों को अर्पित सामग्री की विधि भी बताई गई है। मत्स्य पुराण में पितरों के श्राद्ध की विभिन्न विधियों, जैसे एकोदित् और नित्य श्राद्ध, का विवरण इस पुराण में मिलता है। नारद पुराण में भी पितरों के प्रति श्राद्ध की विधियां और इसके महत्व का विस्तृत वर्णन किया गया है। वामन पुराण में पितरों के श्राद्ध और तर्पण की प्रक्रिया का उल्लेख मिलता है जिसमें पितरों को शांति देने के उपाय बताए गए हैं। कूर्म पुराण में पितरों की आत्मा को शांति देने के लिए श्राद्ध की प्रक्रियाओं का वर्णन किया गया है। इसी तरह से लिंग पुराण में पितरों के श्राद्ध और तर्पण की विधियों का वर्णन किया गया ? है और यह बताया गया है कि इससे पितरों को शांति मिलती है। गरुड़ पुराण, श्रीभागवत पुराण, सत्यम्बुधि पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, स्मृति पुराण, प्रदीप पुराण, अग्नि पुराण, श्री भागवत पुराण और कालिक पुराण में भी पितरों के श्राद्ध की विधियां, आत्मा को शांति देने के लिए प्रक्रियाओं और धार्मिक महत्व के बारे में बताया गया है।

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में उनकी मृत्यु तिथि को (मृत्यु किसी भी मास या पक्ष में हुई हो) जल, तिल, चावल, जौ और कुश पिंड पुराण में पितरों के लिए श्राद्ध की विधियों का विवरण इस पुराण में मिलता है जिसमें यह भी बताया गया है कि पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए विशेष तिथि पर श्राद्ध करना आवश्यक है। वहीं शिव पुराण में श्राद्ध की प्रक्रिया और इसके लाभों का उल्लेख मिलता है। भागवत पुराण में पितरों के तर्पण और श्राद्ध की विधियां और उनका महत्व वर्णित है। इसमें

निजी अस्पताल बढ़े, लेकिन उनका बोझ कौन उठा रहा है? SGMH की व्यवस्था पर गंभीर सवाल

रीवा। देश में निजी अस्पतालों की संख्या लगातार बढ़ी है बेहतर इलाज की उम्मीद में मरीज इन अस्पतालों का रुख भी कर रहे हैं लेकिन रीवा की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक अलग ही सवाल सामने आता है क्या निजी अस्पतालों का बढ़ता बोझ कहीं संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय (SGMH) की व्यवस्था को प्रभावित नहीं कर रहा?

SGMH से जुड़े लोगों और मरीजों के परिवारों के बीच यह चर्चा लगातार सामने आती रही है कि निजी अस्पतालों के बढ़ने के बावजूद उनका बड़ा हिस्सा मेडिकल कॉलेज से जुड़े डॉक्टरों के भरोसे संचालित हो रहा है यदि सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर निजी संस्थानों में भी पर्याप्त समय दे रहे हैं तो सवाल यह है कि सरकारी अस्पताल में उनकी



उपलब्धता और जिम्मेदारी का क्या होगा?

मरीजों के लिए सबसे बड़ी समस्या तब पैदा होती है जब उन्हें सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की तलाश करनी पड़े। आरोप और शिकायतें सामने आती हैं कि कई डॉक्टर ड्यूटी पर दर्ज होने के बावजूद अस्पताल में अपेक्षित समय

उपलब्ध नहीं रहते और उनकी व्यस्तता निजी अस्पताल या नर्सिंग होम में बताई जाती है। इन आरोपों की वास्तविकता की निष्पक्ष जांच आवश्यक है लेकिन यदि शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो प्रशासन इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। SGMH की व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों में

कल्पना मिश्रा प्रकरण भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण के तौर पर चर्चा में है इस मामले में जिन जिम्मेदारियों और कथित लापरवाहियों को लेकर सवाल उठे, उनमें सोनल अग्रवाल की जवाबदेही तय किए जाने की बात सामने आई लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि विभागीय स्तर पर जिम्मेदारी तय होने के बाद संबंधित HOD को अभयदान क्यों मिला? इसी तरह एनेस्थीसिया विभाग के HOD की भूमिका को लेकर भी सवाल सामने आए। यदि किसी मामले में विभागीय स्तर पर गंभीर प्रश्न उठते हैं तो फिर वरिष्ठ जिम्मेदारों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच क्यों न हो? मेडिसिन विभाग को लेकर भी ड्यूटी और डॉक्टर की उपलब्धता का सवाल उठता रहा है यदि ड्यूटी रोस्टर में डॉक्टर का नाम दर्ज है लेकिन मरीज

को समय पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं मिलता तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी? क्या केवल ड्यूटी चार्ट बना देना पर्याप्त है या अस्पताल प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि संबंधित डॉक्टर वास्तव में निर्धारित समय पर मरीजों के बीच मौजूद हों यहां सवाल किसी एक डॉक्टर या किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है सवाल पूरी व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही का है यदि सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर निजी संस्थानों में भी सेवाएं दे रहे हैं तो उनके सरकारी दायित्व, उपलब्धता और नियमों का पालन स्पष्ट होना चाहिए निजी प्रैक्टिस की अनुमति जहां नियमों के तहत है वहां भी सरकारी ड्यूटी प्रभावित न हो इसकी निगरानी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

आज जरूरत इस बात की है

कि SGMH में डॉक्टरों की वास्तविक उपस्थिति की निष्पक्ष जांच हो ड्यूटी रोस्टर, बायोमेट्रिक उपस्थिति, मरीजों के रिकॉर्ड और आपातकालीन ड्यूटी की व्यवस्था का मिलान किया जाए साथ ही यह भी देखा जाए कि ड्यूटी के समय संबंधित डॉक्टर सरकारी अस्पताल में मौजूद थे या किसी अन्य निजी संस्थान में।

मरीज अस्पताल में इलाज के लिए आते है व्यवस्था से समझौता करने के लिए नहीं: यदि SGMH जैसे बड़े सरकारी अस्पताल की व्यवस्था मजबूत होगी तो गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को निजी अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी लेकिन यदि सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की उपलब्धता और जवाबदेही पर ही सवाल खड़े होते रहें तो स्वास्थ्य व्यवस्था पर आम आदमी का भरोसा कैसे कायम रहेगा।

बम पिस्तौल से क्रांति नहीं आती : शहीदे आज़म भगत सिंह

 शहीदे आज़म भगत सिंह: वैचारिक क्रांति का वो नाम, जो आज भी हर दिल में धड़कता है जो समाज में बदलाव देखना चाहता है। जब भी हम भगत सिंह के बारे में सोचते हैं, हमारे ज़हन में एक जाबांज़ नौजवान की छवि उभरती है, जिसके हाथ में पिस्तौल है और आंखों में आज़ादी का सपना। लेकिन यह छवि उनके विराट व्यक्तित्व का केवल एक छोटा सा हिस्सा है। भगत सिंह सिर्फ एक जाबांज़ क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि वे एक गहरे विचारक, दार्शनिक और दूरदर्शी राजनेता थे, जिनका बौद्धिक स्तर अपने समय से बहुत आगे था।

--

भगत सिंह: खुद में संपूर्ण, विचारों में अमर (शहीद भगत सिंह जयंती)

दिलीप कुमार पाठक

पैरोकार थे। वे कार्ल मार्क्स और व्लादिमीर लेनिन के विचारों से गहराई से प्रभावित थे। उनके लिए आजादी का मतलब सिर्फ ग़ोरे शासकों की जगह भूरे शासकों का बने जाना नहीं था, बल्कि वे एक ऐसे वैश्विक समाज की कल्पना करते थे जहां इंसान द्वारा इंसान का शोषण पूरी तरह समाप्त हो जाए। वे दुनिया भर के क्रांतिकारी आंदोलनों का अध्ययन करते थे और भारत की आजादी को वैश्विक मुक्ति संग्राम के एक हिस्से के रूप में देखते थे। उनकी इस वैचारिक लड़ाई का एक बड़ा रूप लाहौर जेल में देखने को मिला, जहाँ उन्होंने भारतीय क्रांतिकारियों को राजनीतिक कैदी का दर्जा और मानवीय अधिकार दिलाने के लिए 116 दिनों की ऐतिहासिक भूख हड़ताल की। इस संघर्ष के दौरान उनके साथी जितन दास शहीद भी हुए, लेकिन भगत सिंह पीछे नहीं हटे। उन्होंने देश को इंकलाब जिंदाबाद जैसा अमर नारा दिया, जिसका मतलब कोई खुरी क्रांति नहीं, बल्कि समाज के अन्यायपूर्ण और शोषक ढांचे को बदलकर एक समानवादी समाज का निर्माण करना था। इतिहास की किताबों में अक्सर भगत सिंह और महात्मा गांधी के बीच वैचारिक मतभेदों का बड़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। यह सच है कि दोनों के रास्ते अलग थे, लेकिन गांधी जी के प्रति भगत सिंह के मन में गहरी श्रद्धा थी। वे गांधी जी के जन आंदोलन से खड़े करने की क्षमता के कायल थे। उन्होंने खुले दिल से स्वीकार किया था कि गांधी जी ने देश की सोई हुई जनता को जगाने का जो



अभूतपूर्व काम किया है, वह बेहद वंदनीय है। इसी तरह, पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रति भगत सिंह की सोच बेहद सकारात्मक और सम्मानजनक थी। भगत सिंह नेहरू जी के प्रगतिशील, आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण की सराहना करते थे। उन्होंने अपने एक प्रसिद्ध लेख नए नेताओं के अलग-अलग विचार में नेहरू जी को एक ऐसा नेता बताया था जो युवाओं को रूढ़िवादिता से निकालकर वैज्ञानिक सोच की ओर ले जा सकता है। अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में भगत सिंह ने वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। उनकी शहादत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी और उनके बलिदान ने भारत के लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके जीने के तरीके और विचारों से आज भी प्रत्येक भारतीय प्रेरणा लेता है और

खासकर देश के नौजवानों को तो उनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरित करता रहेगा। छोटी सी उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और अपने क्रांतिकारी विचारों तथा आदर्शों से युवाओं को भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, ‘क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नहीं लाई जा सकती बल्कि क्रांति को तलवार विचारों से ही तेज होती है। किसी भी व्यक्ति को ‘क्रांति’ शब्द की व्याख्या शाब्दिक अर्थ में नहीं करनी चाहिए, जो लोग इसका दुरुपयोग करते हैं, वे अपने फायदे के हिसाब से इसे अलग अर्थ और मतलब दे देते हैं। कोई भी अत्याचारी साधारण व्यक्तियों को कुचलकर उनके विचारों को नहीं मार सकते। मैं दुनिया में न्याय और समानता देखना चाहता हूं। मैं भारत को एक स्वतंत्र और प्रगतिशील राष्ट्र बनाना चाहता हूं।’ देशभक्ति, समानता और न्याय के लिए भगत सिंह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। भारत माता के वीर सपूत और महान क्रांतिकारी भगत सिंह को शहीद हुए आज भले ही 95 वर्ष से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी विचार हम सभी के जेहन में आज भी जिंदा हैं और हमेशा रहेंगे।

भगत सिंह की शख्सियत का सबसे अद्भुत पहलू उनका नास्तिक होना था। एक ऐसे देश में

जहां धर्म इंसानी पहचान का सबसे बड़ा आधार माना जाता है, वहां भगत सिंह ने गर्व से मैं नास्तिक क्यों हूं जैसा कालजयी निबंध लिखा। उनकी नास्तिकता किसी चिड़ या गुप्से का परिणाम नहीं थी, बल्कि यह गहरा अध्ययन, तर्क और वैज्ञानिक चेतना पर आधारित थी। लेकिन वे एक ऐसे नास्तिक थे जो समाज में पूर्ण धार्मिक सद्भाव चाहते थे। वे चाहते थे कि हर धर्म का इंसान, चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई, पूरी आजादी और आपसी भाईचारे के साथ रहे। उनके लिए धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय था, जिसे राजनीति या सामाजिक अधिकारों के बीच नहीं आना चाहिए था। इस महानायक की ज्ञान के प्रति ललक का अंदाज़ इस बात से लगाया जा सकता है कि फांसी के फंदे पर झूलने से ठीक कुछ मिनट पहले तक वे लेनिन की किताब पढ़ रहे थे। जब जेलर उन्हें लेने आया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, ठहरो, एक क्रांतिकारी दूसरे क्रांतिकारी से मिल रहा है। मौत के मुहाने पर खड़े होकर भी किताब के पन्नों में खो जाना यह साबित करता है कि उनके लिए वैचारिक स्पष्टता जीवन से भी अधिक मूल्यवान थी। भगत सिंह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनकी अंतरराष्ट्रीय सोच और एक शोषण-मुक्त, सद्भावपूर्ण समाज का उनका सपना आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना एक सदी पहले था। ये तब है कि शहीदे आज़म जैसी विराट शख्सियत को एक लेख में समेटना आसान नहीं है, ये बस एक श्रद्धांजलि थी।

एसआईआर पर निर्वाचन आयोग के अहम फैसले नोटिस पाने वालों के घर पहुंचेंगे बीएलओ

दावे-आपत्तियों की समय-सीमा बढ़ी, दिल्ली में 30 अक्टूबर और महाराष्ट्र में 12 अक्टूबर तक मौका

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग की 26 सितंबर को हुई बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतदाताओं की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। आयोग ने नोटिस पाने वाले मतदाताओं को कार्यालय बुलाने के बजाय घर जाकर दस्तावेज लेने, जरूरतमंद लोगों के लिए हेल्प डेस्क और विशेष शिविर लगाने तथा दावे-आपत्तियों की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया नोटिस पाने वालों के घर जाएँ बीएलओ एसआईआर के दौरान अनमैड होने या तार्किक विसंगतियों के कारण जिन लोगों को नोटिस जारी हुए हैं उनके घर जाकर बीएलओ आवश्यक दस्तावेज एकत्र करेंगे। दस्तावेज ईसीआईनेट पर अपलोड किए जाएँगे और ईआरओ उनके आधार पर निर्णय लेंगे सामान्य स्थिति में ऐसे मतदाताओं को ईआरओ या एईआरओ कार्यालय में सुनवाई के



लिए बुलाने की जरूरत नहीं होगी विशेष परिस्थिति में सुनवाई ऑनलाइन की जा सकेगी जरूरत पड़ने पर मतदाता परिवार के किसी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से उपस्थित होने के लिए अधिकृत कर सकेगा जरूरतमंदों के लिए हेल्प डेस्क और विशेष शिविरजिला निर्वाचन अधिकारियों को तै बसेरों में रहने वाले लोगों, ग्रामिों, निर्धन

और बेघर लोगों के लिए जरूरत के अनुसार हेल्प डेस्क स्थापित करने या विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर में फॉर्म-6 के साथ लगी घोषणा मान्य है एसआईआर अवधि के बाहर नाम जोड़ने के लिए निर्वाचन नियम, 1960 के अनुसार निर्धारित फॉर्म का उपयोग किया जाएगा ईसीआईनेट की होगी विशेषज्ञ

समिति से समीक्षा ईसीआईनेट प्रणाली की समीक्षा के लिए वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी इसमें आईआईटी/आईआईआईटी के स्वतंत्र विशेषज्ञ को भी शामिल किया जाएगा समिति यह देखेगी कि प्रणाली कानून और नियमों के अनुरूप काम कर रही है या नहीं रज्यों से मिले सुझावों के आधार पर पोर्टल में कई सुधार पहले

ही किए जा चुके हैं दिल्ली में दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2026 कर दी गई है नोटिस तथा दावे-आपत्तियों के निस्तारण की अवधि 30 नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई है। महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां 12 अक्टूबर 2026 तक तथा नोटिस और दावे-आपत्तियों का निस्तारण 10 नवंबर 2026 तक किया जा सकेगा बैठकों का एजेंड पहले मिनिंग कार्यवृत्त भी होगा जारी आयोग की सभी बैठकों का एजेंड पहले से तितरित किया जाएगा और बैठक का कार्यवृत्त जारी किया जाएगा। अधिकारियों की वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर तक पूरी की जाएगी अधिकारियों की विदेश यात्रा के लिए आयोग की पूर्व स्वीकृति जरूरी होगी छूट मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान आयोग के अनुसार बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 20 रज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का कार्य पूरा हो

चुक्र है एसआईआर के दौरान या बाद में नाम छूट जाने वाले नागरिक युवा और पहली बार मतदाता बनने वाले लोग निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के तहत संबंधित ईआरओ को आवेदन कर सकते हैं सीईओ डीईओ और ईआरओ को ऐसे मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं गोवा में 97 में से 81 मतदाताओं ने भूप फॉर्म-6आयोग ने बताया कि गोवा में संबंधित बीएलओ को छूट हुए मतदाताओं के घर-घर जाकर फॉर्म लेने के निर्देश दिए गए हैं अब तक 97 में से 81 मतदाता नाम शामिल करने के लिए फॉर्म-6 भर चुके हैं आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 26 सितंबर 2026 को बैठक में लिए गए सभी निर्णय पूर्ण आयोग की स्वीकृति के बाद जारी किए गए हैं। आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को मतदाताओं के लिए अधिक सुगम बनाने और छूट हुए पात्र नागरिकों को नाम जुड़ाने का अवसर देने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

पंचायतों के अधिकार वापस देने की मांग सरपंच संघ ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। राष्ट्रीय सरपंच संघ की ओर से चलाए जा रहे ग्राम स्वराज बचाओ अभियान यात्रा के तहत रविवार को शिवपुरी में कार्यक्रम आयोजित किया गया प्रदेश अध्यक्ष राजीव सिंह तोमर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जिलेभर के सरपंचों ने पंचायतों के अधिकार, विकास कार्यों में आ रही दिक्कतों और ग्रामीण योजनाओं से जुड़े मुद्दों को उठाया सरपंचों ने पंचायतों को पहले की तरह अधिकार देने और ग्राम स्वराज व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की प्रदेश अध्यक्ष राजीव सिंह तोमर ने प्रदेश सरकार पर सरपंचों के साथ छलावा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायतों को मजबूत करने के बजाय उनके अधिकार लगातार कम किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि विकास कार्यों से संबंधित डीगल पहले सरपंचों के पास रहता था लेकिन अब इसे जनपद पंचायत के सीईओ को दे दिया गया है उनका आरोप है कि पंचायतों में भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आने पर अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होती जबकि सरपंचों को धारा 40 के नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाती है कार्यक्रम में सरपंचों ने ग्रामीण विकास योजनाओं और नई डिजिटल हाजिरी व्यवस्था को लेकर भी अपनी आपत्तियां रखी पोहरी ब्लॉक सरपंच संघ अध्यक्ष केशव सिंह यादव फौजी ने कहा कि डिजिटल हाजिरी व्यवस्था का असर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित खेत सड़क योजना जैसे कार्यों पर पड़ रहा है। उन्होंने पंचायतों को निर्णय लेने के अधिक अधिकार देने की मांग की सरपंच संघ के अनुसार ग्राम स्वराज बचाओ अभियान यात्रा 11 सितंबर को दतिया से शुरू हुई थी जो विभिन्न जिलों से होते हुए 30 सितंबर को भापाल पहुंचेगी भापाल में सरपंच अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे और पंचायतों के अधिकारों से जुड़े मुद्दे मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे संघ ने पंचायतों को अधिकार संपन्न बनाने और ग्राम स्वराज की व्यवस्था को मजबूत करने की मांग दोहराई।



वोट चोरी नहीं हो रही जनता ने चोरों को वोट देना बंद कर दिया—नरोत्तम मिश्रा



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा रविवार को ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में शामिल होने शिवपुरी पहुंचे इस दौरान पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी और चुनाव आयोग को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर पलटवार किया राहुल गांधी ने हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण (को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं मिश्रा ने कहा कि देश में वोट चोरी नहीं हो रही है उनके अनुसार जनता जागरूक हो चुकी है और उसने कांग्रेस को वोट देना बंद किया है उन्होंने राहुल गांधी से देश की जनता से माफ़ी मांगने की मांग की मिश्रा ने राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी साख और नेतृत्व पर उठ रहे सवालों से ध्यान हटाने के लिए राहुल गांधी समय-समय पर नए आरोप सामने लाते हैं मिश्रा ने कहा कि पहले ईवीएम से वोट चोरी के आरोप लगाए गए और अब सार को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं भाजपा में ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधित्व को लेकर पूछे गए सवाल पर मिश्रा ने कहा कि पार्टी में समाज का प्रतिनिधित्व शीर्ष स्तर तक है उन्होंने कहा कि डिटी सीएम सहित कई मंत्री इस समाज से आते हैं मंत्रियों की संख्या के लिए कोई निश्चित पैमाना नहीं होता चुनाव लड़ने और किसी पद की दवेदारी के सवाल पर मिश्रा ने कहा कि वह कोई पद नहीं लेना चाहते उन्होंने खुद को पार्टी का कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि संगठन उन्हें लगातार जिम्मेदारियों दे रहा है और वह इससे संतुष्ट हैं विजयपुर और दतिया उपचुनाव से जुड़े सवाल पर मिश्रा ने कहा कि किसी एक जिले या उपचुनाव के आधार पर पूरी पार्टी की स्थिति का आकलन नहीं किया जा सकता उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक पहुंची फूलमती की जिंदगी, पीएम आवास ने दिया सुरक्षा और सम्मान

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)।कभी कच्ची दीवारों और बारिश में टपकती छत के बीच जीवन गुजारने वाली ग्राम पंचायत नौदिया निवासी फूलमती की जिंदगी अब बदल गई है प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के मकान ने उनके परिवार को सुरक्षित छत के साथ बेहतर और सम्मानजनक जीवन की नई उम्मीद दी है आर्थिक रूप से कमजोर फूलमती का परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था बरसात के दिनों में टपकती छत और कमजोर दीवारों के कारण परिवार को काफी परेशानी होती थी ग्राम पंचायत नौदिया की पहल से उन्हें योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ और निर्माण पूरा होने के बाद परिवार अब सुरक्षित पक्के घर में रह रहा है फूलमती ने बताया कि पहले बारिश के मौसम में परिवार की जिता बढ़ जाती थी। अब पक्का घर मिलने से हर मौसम में सुरक्षा और सुविधा मिल रही है बच्चों को पढ़ाई के लिए भी बेहतर वातावरण मिला है आवास मिलने के बाद परिवार के आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी हुई है जिला प्रशासन के निर्देशन में नजरबंद पंचायत भरतपुर द्वारा शिविर और विशेष अभियानों के माध्यम से पात्र हितराहियों को योजना से जोड़ने तथा आवास निर्माण समय पर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है फूलमती ने पीएम आवास योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया उन्होंने कहा कि पक्का घर मिलना उनके परिवार के लिए वर्षों पुराने सपने के पूरा होने जैसा है।

अमित शाह के प्रस्तावित दौरे को लेकर डीजीपी ने की तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित मध्यप्रदेश दौरे को लेकर पुलिस मुख्यालय में तैयारियों की समीक्षा की गई डीजीपी कैलाश मकवाना ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों और नवीन अपराधिक कानूनों पर आधारित प्रस्तावित प्रदर्शनों की तैयारियों की जानकारी ली बैठक में साइबर अपराध कानून-व्यवस्था, आतंकवाद प्रतिरोध, नवसल उन्मूलन आपदा प्रबंधन पुलिस आधुनिकीकरण और पड़ोसी राज्यों के साथ सुरक्षा समन्वय सहित विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया बैठक में ई-जीरी एफआईआर, 1930 साइबर हेल्पलाइन साइबर कमांडो प्रशिक्षण और सेफ विलक अभियान की प्रगति की जानकारी दी गई अधिकारियों ने बताया कि सेफ विलक जागरूकता अभियान के माध्यम से करीब 8.6 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई गई है इसके अलावा आतंकवाद विरोधी कार्रवाई, अंतरराज्यीय मामलों में समन्वय, विदेशियों एवं अवैध प्रवासियों से जुड़े मामलों और आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।

नवीन कानूनों और फॉरेंसिक व्यवस्था पर प्रस्तुति
अधिकारियों ने नवीन अपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन, ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-समन, मेडिको-लीगल परीक्षण और पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग सिस्टम सहित अपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े विषयों की सुरक्षा और न्याय मिलने तक की प्रक्रिया को स्टील, वीडियो, डिजिटल स्क्रीन, पोस्टर और मॉडल के माध्यम से सरतो तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा।

नर्मदा से 5 किमी दायरे में शराब बिक्री पर प्रतिबंध, आबकारी टीम की दबिश में 40 बल्क लीटर कच्ची शराब जब्त

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सागर में अवैध शराब से हुई मौतों के बाद नर्मदापुरम जिले में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। रविवार को आबकारी विभाग की टीम ने पुलिस जवानों के साथ शहर के अलग-अलग सड़िध इलाकों में दबिश देकर कच्ची शराब और महुआ लाहन जब्त किया कार्रवाई के दौरान कुल 40 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा और करीब डेढ़ विन्टल महुआ लाहन बरामद किया गया जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 27 हजार रुपए बताई गई है आबकारी विभाग की टीम ने बालागंज, मालाखेडी, गिन्नी कम्पाउंड, सेठ गुरु प्रसाद स्कूल के आसपास, बंगाली कॉलोनी सिकलीकर, बीटीआई,



मदरवाड़ा, पिचिंग घाट और भीलपुरा समेत अन्य सड़िध स्थानों पर दबिश दी। अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई का उद्देश्य अवैध रूप से शराब का निर्माण भंडारण और बिक्री करने वालों पर अंकुश लगाना है जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव द्विवेदी ने बताया कि नर्मदा नदी के किनारे से 5

किलोमीटर के दायरे में शराब की बिक्री प्रतिबंधित है इसके बावजूद कुछ स्थानों से अवैध रूप से शराब बेचने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं। शिकार्यों और सूचना के आधार पर विभाग की टीम ने चिन्हित स्थानों पर कार्रवाई की कार्रवाई के दौरान कच्ची हाथ भट्टी मदिरा के साथ बड़ी मात्रा में महुआ लाहन भी

बरामद किया गया विभाग ने जब्त सामग्री को नियमानुसार कार्रवाई के लिए अपने कब्जे में लिया है। अधिकारियों ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा सागर शराब कांड के बाद बढ़ी निगरानी सागर में जहरीली/अवैध शराब से 36 लोगों की मौत के बाद प्रदेशभर में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रशासनिक निगरानी बढ़ी है इसी क्रम में नर्मदापुरम में भी आबकारी विभाग ने पुलिस के सहयोग से सड़िध क्षेत्रों में दबिश देना शुरू किया है विभाग का कहना है कि अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और नर्मदा किनारे प्रतिबंधित क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत टीबी मुक्त भारत की दिशा में खड़गवां की मजबूत पहल टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एमसीबी का खड़गवां बना रोल मॉडल



मॉलिक्यूलर जांच तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्तिक के अंतर्गत पहुंचाने की भावना के अनुरूप संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर जांच और उपचार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है जमीनी हकीकत परखने पहुंची संयुक्त मूल्यांकन टीम वर्ष 2025 में खड़गवां विकासखंड द्वाय टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में हासिल

उपलब्धियों और टीबी मुक्त पंचायतों के दावों की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय संयुक्त टीम खड़गवां पहुंची है टीम में राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ वैश्विक स्वास्थ्य संस्था जापाइंगो (Jhpiego) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के विशेषज्ञ शामिल हैं संयुक्त टीम द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर विकासखंड में संचालित टीबी

उन्मूलन गतिविधियों, संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, मरीजों की नियमित निगरानी और फॉलो-अप की स्थिति का जमीनी मूल्यांकन किया जा रहा है खड़गवां विकासखंड के विभिन्न गांवों में टीबी के संभावित मरीजों की पहचान के लिए सक्रिय खोज अभियान (Active Case Finding) चलाया जा रहा है उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों एवं आबादी को चिन्हित कर स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंच रही हैं मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में परिवार के माध्यम से लोगों को टीबी के लक्षणों के प्रति जागरूक करने के साथ संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की जा रही है किसी व्यक्ति में टीबी से संबंधित लक्षण पाए जाने पर आवश्यकतानुसार तत्काल छत्ती का एक्स-रे और बलगम परीक्षण करगया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता श्रमदान

विश्व पर्यटन दिवस पर कर्मघोगेश्वर, अमृतधारा, सीतामढी, चांगदेवी सहित प्रमुख स्थलों पर जनसहभागिता से चला स्वच्छता अभियान



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी

(निप्र)। स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा

संकल्प अभियान के तहत विश्व

पर्यटन दिवस के अवसर पर जिले के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर जनसहभागिता से स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया कर्मघोगेश्वर, अमृतधारा सीतामणी चांगदेवी, सिद्ध बाबा सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर स्वच्छताग्रहियों जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस पहल का उद्देश्य जिले के पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाए रखने के साथ पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और पर्यटन को बढ़ावा देना रहा इस दौरान स्थानीय समुदाय को पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए

प्रेरित किया गया तथा पर्यटकों से भी इन स्थलों की प्राकृतिक एवं धार्मिक गरिमा को बनाए रखने की अपील की गई प्लास्टिक अपशिष्ट से तैयार की जागरूकता की अनोखी आकृति कर्मघोगेश्वर में स्वच्छताग्रहियों ने स्वच्छता श्रमदान के दौरान एकत्रित किए गए प्लास्टिक अपशिष्ट का रचनात्मक उपयोग करते हुए प्लास्टिक प्रतिबंध एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने वाली आकृति तैयार की इसके माध्यम से पर्यटन स्थल पर प्लास्टिक का उपयोग कम करने कचरा नहीं फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पर्यटन स्थलों की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि

प्रत्येक नागरिक स्थानीय समुदाय और पर्यटकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनभागीदारी से किए गए ऐसे प्रयास स्वच्छता को जन आंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं पर्यटकों से स्वच्छता में सहभागिता की अपील कार्यक्रम के दौरान जिले के पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों एवं आगंतुकों से स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता की अपील की गई विशेष रूप से जलप्रपातों धार्मिक स्थलों एवं प्राकृतिक पर्यटन क्षेत्रों में कचरा न फैलाने, प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने तथा अपने साथ लाए गए कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालने का आग्रह किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जल उपयोगिता समिति की बैठक 05 अक्टूबर को

रबी सिंचाई लक्ष्य एवं पेयजल

आरक्षण पर होगी चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 05 अक्टूबर 2026 को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होगी। बैठक में जिले के जलाशयों में जलभराव की स्थिति एवं उपलब्ध जल भंडारण क्षमता की समीक्षा की जाएगी। साथ ही वर्ष 2025-26 की सिंचाई उपलब्धियों की समीक्षा कर रबी सीजन 2026-27 के सिंचाई लक्ष्यों का निर्धारण किया जाएगा। बैठक में आगामी समय के लिए पेयजल हेतु आवश्यक जल आरक्षण तथा अन्य सामयिक विषयों पर भी चर्चा होगी। बैठक में जिले की प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक गण सहित जल संसाधन, कृषि, विद्युत वितरण कंपनी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग के अधिकारी तथा नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रतनपुर आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम संपन्न



मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत रायसेन जिले के सांची जनपद के ग्राम रतनपुर स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम सांची विधायक डॉ प्रथुराम चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवत मीणा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उन्होंने बच्चों, अभिभावकों तथा ग्रामीणों से संवाद किया। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के लिए आयोजित गतिविधियों, पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विधायक डॉ चौधरी ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी गतिविधियों, खेल आदि के बारे में पूछा। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सेवा का संकल्प जनभागीदारी से निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के ज्ञान, सुरक्षित और समग्र विकास के लिए परिवार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा समुदाय की संयुक्त भूमिका महत्वपूर्ण है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग अधिकारी ने अभिभावकों को बच्चों के पोषण, स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा आंगनवाड़ी केन्द्र में मिलने वाली सेवाओं के संबंध में भी जानकारी दी।

सफलता की कहानी

कोरोना काल में बंद हुआ रोजगार, मृत्यु पालन ने बदली आर्थिक स्थिति 70 टन वार्षिक उत्पादन से 90 लाख का टर्नओवर

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। कोरोना महामारी ने जहां अनेक लोगों के रोजगार और आय के साधनों को प्रभावित किया, वहीं खंडवा जिले के ग्राम सुरावां जोशी निवासी श्री नंदकिशोर पटेल ने इस चुनौती को नए अवसर में बदलने का संकल्प लिया। कोरोना काल से पहले वे कोचिंग संचालन का कार्य करते थे और लगभग 40 हजार रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित करते थे। महामारी के दौरान कोचिंग का कार्य बंद होने के बाद उन्होंने स्वरोजगार के विकल्प तलाशे और मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने का निर्णय लिया। मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन से मिला नया अवसर मत्स्य पालन की जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए श्री पटेल ने मत्स्य पालन विभाग खंडवा से संपर्क किया। विभाग द्वारा उन्हें 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (PMMSY) के अंतर्गत आर्थिक एवं तकनीकी सहायता तथा आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। विभागीय मार्गदर्शन से श्री नंदकिशोर पटेल को 14 लाख की लागत से 0.1 हेक्टेयर पोण्ड बायोफ्लॉक इकाई स्थापित की। परियोजना पर उन्हें 40 प्रतिशत का शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्होंने 0.5 हेक्टेयर तालाब में भी मत्स्य पालन को आगे बढ़ाया। 70 टन वार्षिक उत्पादन, 90 लाख रुपये का टर्नओवर श्री नंदकिशोर पटेल ने बताया कि उन्नत मत्स्य बीज, संतुलित आहार, जल गुणवत्ता प्रबंधन और नियमित तकनीकी देखरेख को अपनाने से मत्स्य व्यवसाय में लगातार वृद्धि हुई।

रतलाम में 40 साल पुरानी मंडी दुकानों की गैलरी गिरी

● रात होने से टला बड़ा हादसा, 7 दुकानों के शेड और मीटर टूटे

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के सैलाना बस स्टैंड के पास स्थित थोक सब्जी मंडी के बाहर बनी 7 दुकानों की गैलरी शनिवार रात अचानक भरभराकर गिर गई। रात का समय होने के कारण दुकानें बंद थीं, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गैलरी गिरने से दुकानों के आगे लगे टीन के शेड, बिजली मीटर और वायरिंग टूट गईं। रात में गैलरी गिरने की सूचना मिलने पर दुकानदार मौके पर पहुंचे। रविवार सुबह तक दुकानों के सामने मलबा पड़ा रहा। मुख्य रोड से लगी दुकानें होने के कारण सुबह यहां से गुजरने वाले लोग भी रुककर मलबे को देखते रहे।

तेज हवाओं के बीच गिरी गैलरी: रतलाम शहर में शनिवार देर रात से तेज ठंडी हवाएं चल रही थीं, जो रविवार सुबह तक जारी रहें। शुरुआती



2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जाएगा मद्य निषेध सप्ताह

राज्य शासन के निर्देशानुसार निर्धारित कार्यक्रम के तहत जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक 'मद्य निषेध सप्ताह' मनाया जाएगा। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सप्ताह के दौरान विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्परिणामों के प्रति युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मद्य निषेध सप्ताह के दौरान नशा मुक्ति रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, विभिन्न प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, ग्राम सभाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं ऑनलाइन शपथ सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्कूल एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों सहित विभिन्न वर्गों को 'नशा न करोगे, न करने देंगे' की शपथ दिलाई जाएगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

2 अक्टूबर को नशा मुक्ति रैली और प्रदर्शन: शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सप्ताह के पहले दिन महात्मा गांधी जयंती पर नशा मुक्ति के लिए जन-जागरूकता रैलियां निकाली जाएंगी और नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जाएगा। नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने के लिए नशा मुक्ति पर आधारित पोस्टर, फोटो और चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएंगी। कार्यक्रमों में शामिल नागरिकों को नशा नहीं करने की ऑनलाइन शपथ दिलाई जाएगी।

3 अक्टूबर को शैक्षणिक प्रतियोगिताएं और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर: दूसरे दिन स्थानीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में नशा मुक्ति विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं, संवाद तथा संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आवासीय नशा मुक्ति केंद्रों में नशा पीड़ित व्यक्तियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में नशा पीड़ितों की एचआईवी-एड्स, टीबी और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। जांच में पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों के समुचित उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

4 अक्टूबर को ग्राम सभाओं में नशामुक्त गांव का संकल्प: तीसरे दिन ग्राम सभाओं में गांवों को नशामुक्त बनाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। पारित प्रस्तावों का पालन सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में नशा मुक्ति संबंधी साहित्य, पोस्टर, पम्पलेट और अन्य प्रचार सामग्री का वितरण किया जाएगा। ग्राम सभाओं में उपस्थित ग्रामीणों को नशा मुक्ति की ऑनलाइन शपथ भी दिलाई जाएगी।

5 अक्टूबर को सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता: चौथे दिन ग्राम और नगरीय स्तर पर स्थानीय व्हाट्सएप समूह बनाए जाएंगे। इन समूहों के माध्यम से नशामुक्ति के संदेश, जागरूकता सामग्री और लघु फिल्में नागरिकों तक पहुंचाई जाएंगी। सोशल मीडिया के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

6 अक्टूबर को महिला स्व-सहायता समूहों की भागीदारी: पांचवें दिन महिला स्व-सहायता समूहों और शौर्य दलों द्वारा स्थानीय स्तर पर नशा मुक्ति संदेश के प्रचार-प्रसार के लिए अभियान चलाया जाएगा। महिलाओं को परिवार और समाज में नशे के कारण होने वाले आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। महिला समूह समुदाय को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

7 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेजों में ऑनलाइन शपथ: छठवें दिन ग्राम एवं नगरीय क्षेत्रों में नशा मुक्ति अभियान के लिए तैयार किए गए स्थानीय मास्टर वॉलंटियर और 'नशामुक्ति मित्र' स्कूलों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन नशा मुक्ति शपथ दिलाएंगे। युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया जाएगा।

8 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों पर समापन समारोह: मद्य निषेध सप्ताह के अंतिम दिन सभी जिला मुख्यालयों पर जिला स्तरीय समापन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें नशामुक्ति पर आधारित नाटक, नृत्य, संगीत और अन्य कलात्मक प्रस्तुतियां होंगी। सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जान विश्वास अभियान के तहत उप सचिव गोपाल वर्मा ने पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। जन विश्वास अभियान के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव श्री गोपाल वर्मा ने आज पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विदिशा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, अनुशासन, छात्राओं की उपस्थिति तथा विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। विद्यालय की व्यवस्थाओं और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण से प्रभावित होकर श्री वर्मा ने विद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। उप सचिव श्री वर्मा ने निरीक्षण के दौरान विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षण कार्य का जायजा लिया तथा छात्राओं से संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर एवं अध्ययन संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षकों से चर्चा कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, सह-शैक्षणिक कार्यक्रमों, छात्राओं की उपस्थिति तथा नामांकन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं को शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पाया। श्री वर्मा ने विद्यालय में



छात्राओं की बेहतर उपस्थिति, नामांकन में हुई वृद्धि तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों के प्रति दिखाई जा रही प्रतिबद्धता सराहनीय है। विद्यालय में सकारात्मक एवं सीखने के अनुकूल वातावरण तैयार करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान उप सचिव श्री वर्मा ने छात्राओं के शैक्षणिक स्तर को और बेहतर बनाने के संबंध में शिक्षकों को आवश्यक सुझाव एवं महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने शिक्षण प्रक्रिया को छात्र-केंद्रित बनाने, विषय की बेहतर समझ विकसित करने तथा छात्राओं की प्रतिभा एवं रुचि के अनुरूप उन्हें आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि नियमित मूल्यांकन एवं छात्राओं की व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान देकर शैक्षणिक उपलब्धियों में और सुधार किया जा सकता है। इस अवसर पर उप सचिव श्री गोपाल वर्मा द्वारा विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का गरिमामय विमोचन भी किया गया। उन्होंने विद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन की सराहना की। विद्यालय निरीक्षण के दौरान प्राचार्य डॉ. दीप्ति शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती अलका बागड़ी, एच.सी. सूर्यवंशी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

डेढ़ लाख रुपए का लालच देकर बुजुर्ग से सोना ठगा

नर्मदापुरम में युवक-युवती ने नोटों की गड़ी दिखाई, झुमके-अंगूठी उतरवाकर फरार, केस दर्ज

● गली में उतरवाए झुमके और अंगूठी

आरोपियों ने महिला से सोने की झुमकी और अंगूठी उतरवा ली। इसके बाद कुछ बहाना बनाते हुए कहा कि वे थोड़ी देर में वापस आएंगे और रुपए दे देंगे। महिला उनके लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन तीनों वापस नहीं आए। कुछ देर बाद उन्हें समझ आया कि आरोपियों ने उनके साथ ठगी की है।

● शनिवार रात को दर्ज कराई शिकायत

ठगी का पता चलने के बाद महिला ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद शनिवार रात को कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो युवकों और एक युवती के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है। पीड़िता शांताबाई पठारिया, निवासी जावली, माखननगर की रहने वाली हैं। वह पूर्णिमा पर नर्मदा स्नान के लिए नर्मदापुरम आई थीं।

को डेढ़ लाख रुपए के नोटों की गड़्डी भी दिखाई। महिला आरोपियों की बातों में आ गई। बालागंज क्षेत्र की एक गली में ले गए।

एशियाई खेलों के लिए घर से चूरमा, लड्डू और खोया लेकर गये थे : जयदीप



आइची,एजेसी। एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता भारतीय पुरुष कबड्डी टीम में शामिल जयदीप ने कहा है कि वे लोग अपने घर से चूरमा, लड्डू और खोया लेकर जापान पहुंचे जिससे उनका ध्यान खाने के बाद खेल पर बना रहे। फाइनल में ईरान को हारने के बाद मिला जीत से उत्साहित जयदीप ने कहा कि खिलाड़ी पूरे अभियान के दौरान ईरान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ डटे रहे। उन्होंने कहा, हम घर से चूरमा लाए थे। घर से लड्डू और खोया भी लाए थे हालांकि जापान में खाना ठीक मिला। हमें पराज, रोटी भी मिली। घर से चूरमा, लड्डू और खोया लेकर जाना दिखाता है कि टीम अपनी जड़ों से जुड़ी है। जयदीप ने माना है कि टीम ईरान से मिलने वाली कड़ी चुनौती के बारे में जानती थी। इसीलिए अपनी ओर से पूरे प्रयास कर रही थी। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान पूरी तरह केंद्रित था। हम इस मैच का इंतजार कर रहे थे।

ईरान एक बहुत मजबूत टीम है। हमारे और स्वर्ण पदक के बीच यही एकमात्र मैच था। और हम यहां सोना जीतने जीतने ही आए थे। अपनी इस स्वर्णिम उपलब्धि को जयदीप ने अपने भाई को समर्पित करते हुए भावुक होकर कहा, मैं यह मेडल अपने भाई को समर्पित करता हूं। उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया है। मेरे भाई ने मेरा काफी साथ दिया है। इसलिए, मैं यह पदक अपने भाई को समर्पित करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को भी अधिक समर्थन देने की मांग की है। साथ ही कहा कि विभिन्न खेलों के खिलाड़ी अपने करियर के दौरान अथक मेहनत करते हैं और अक्सर गंभीर चोटों का भी सामना करते हैं। जयदीप ने कहा, हर किसी को क्रिकेट खेलना चाहिए। यह अच्छी बात है, लेकिन हमें दूसरे खेलों को भी समर्थन देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए।

एशियाई खेलों की स्ववैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया,एजेसी। भारत के अभय सिंह लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और को एशियाई खेलों की स्ववैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्ववैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग इन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग इन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे।

मुक्केबाजी में अंकुश पंचाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिससे वह भी पदक तय है।

400 मीटर बाधा दौड़ में विथ्या रामराज (5 5 . 7 3 सेकंड, एसबी) और अनु राघवन (55.84 सेकंड, पीबी) दोनों अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंचीं। वहीं, संतोष कुमार तमिलरासन ने भी पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.61 सेकंड का समय



फाइनल में जगह बनाई। सर्फिंग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति गायन और शिवराज बाबू ने अपने-अपने इवेंट के राउंड 3 के लिए क्वालिफाई किया, जबकि तलवारबाजी में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 45-23 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और फिर आगे बढ़कर अपनी स्थिति मजबूत की। व ह ी ँ बैडमिंटन में खिलाड़ी पीवी सिंधु महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की चैन यू फेंग के हाथों हार के साथ ही पदक की दौड़ से बाहर हो गई। इसके अलावा उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा भी क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े मुकाबले में हार गई। युगल स्पर्धाओं में भी गायत्री गोपीचंद/ट्रेसी जॉली (महिला युगल) और तनीषा कास्टो/ध्रुव कपिला (मिश्रित युगल) अपने क्वार्टर फाइनल मैचों से बाहर हो गए। निशानेबाज में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के प्रिसिजन क्वालीफायर के बाद मनु भाकर 16वें और राही सरनोबत 15वें स्थान पर रही ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम,एजेसी। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहाँ शुरू हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया। भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली। कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है। प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली। टीम के पास तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी भी हैं। इस मुकाबले में एक और बड़ा फैसला पंजाब के युवा खिलाड़ी नमन धीर को भारतीय टीम में पदार्पण का मौका देना रहा। यह नमन के लिए किसी भी प्रारूप में भारत की तरफ से पहला मैच है। दूसरी ओर, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और प्रतिभाशाली बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की टीम में वापसी हुई है।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

चंडीगढ़, एजेसी। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया। प्रतिযোগिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा, 'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है'

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने पत्नी संग बाबा महाकाल के दर्शन किए

भस्म आरती को बताया दित्य अनुभव

एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नगोया,एजेसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इशारे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेंगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे। टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नमन धीर एकदिवसीय डेब्यू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

दोनों ही टीमों इस प्राकर है :

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक रामा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजु सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इश्राक, इमपान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नागेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजद, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदुन दाउदजद, फरमानुल्लाह सफ़ी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमंदा ।

उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलेंगे। अफगानिस्तान पहले ही टूर्नामेंट में दो मैच खेल चुका है; उसने जापान को हराया लेकिन नेपाल के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में सभी की निगाहें 15 वर्षीय युवा प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

लखपति दीदी योजना से संवरी तृप्ति चक्रधारी की ज़िंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा सुशासन का 25 वर्षों का एक लंबा अंतराल पूर्ण हो रहा है। उनके नेतृत्व में हुए सेवा के संकल्प से हुए कार्यों और परिवर्तन को आज हर प्रदेशवासी व हितग्राही अपने जीवन में अनुभव कर रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के



ग्राम थनौद की रहने वाली तृप्ति चक्रधारी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का एक उदाहरण बन चुकी हैं। कभी साधारण घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली तृप्ति ने अपनी कलात्मक क्षमता और मेहनत के दम पर न केवल अपनी पहचान बनाई, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल भी पेश की है। हुनर को मिला ‘लखपति दीदी’ योजना का संबल तृप्ति चक्रधारी के हाथों में मिट्टी और मूर्तिकला का अद्भुत हुनर था। वे हर प्रकार की सुंदर और आकर्षक मूर्तियां बनाने में माहिर हैं-चाहे गणेश उत्सव हो, दुर्गा पूजा हो या स्थानीय देवी-देवताओं की प्रतिमाएं। हालांकि वित्तीय सहायता के अभाव में उनके इस हुनर को वह उड़ान नहीं मिल पा रही थी जिसकी वे हकदार थीं। एक दिन शासन की ‘लखपति दीदी योजना’ उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आई। इस योजना से जुड़कर तृप्ति को आवश्यक प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्व-सहायता समूह के माध्यम से मार्गदर्शन मिला। योजना के प्रोत्साहन से उन्होंने अपने मूर्तिकला के काम को बड़े स्तर पर शुरू किया और व्यावसायिक रूप दिया। सालाना 3 से 4 लाख की आय अपनी लगन, कड़ी मेहनत और मूर्तियों की उकड़ूट फिनिशिंग के बल पर तृप्ति के काम की मांग आसपास के गांवों और शहरों में तेजी से बढ़ने लगी।

अन्नप्राशन-गोदभराई के साथ मातृ-शिशु पोषण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत रायगढ़ जिले के खरसिया विकासखंड के ग्राम पतरपाली में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पोषण माह के अंतर्गत हुए इस आयोजन में अन्नप्राशन और गोदभराई की रस्म के साथ ग्रामीणों को गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य तथा एनीमिया से बचाव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और बच्चों का ‘‘वजन मापन’’ किया गया। बच्चों की वृद्धि और पोषण स्थिति की नियमित निगरानी क्यों जरूरी है, महिलाओं में एनीमिया की पहचान, उससे बचाव और संतुलित आहार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। रुरुह ‘‘गोदभराई में दिया पौष्टिक आहार का संदेश’’ गोदभराई की रस्म के दौरान गर्भवती महिला को गर्भावस्था में पौष्टिक एवं संतुलित आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वास्थ्य विभाग तथा आंगनबाड़ी केंद्र की सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं अन्नप्राशन कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के उचित शारीरिक और मानसिक विकास के लिए स्तनपान के साथ उचित समय पर ‘‘पूक आहार शुरू करने और पोषण की निमित्त निगरानी’’ के महत्व को समझाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने जलाया दीया



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ में गौरी शंकर मंदिर के सामने फूल बेचने वाली दीदी श्रीमती सरस्वती भारती गोस्वामी जी और श्रीमती सुशीला सिदार जी के साथ दीया जलाया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर आगे बढ़ रहा है। उनके मार्गदर्शन में भारत आत्मनिर्भरता और विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 6 लाख दीपों जगमगाया महासमुंद जिला ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब



किया गया। तत्परचात दीप प्रज्वलन किया गया। साथ ही शहर में चौक-चौराहों में दीप जलाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी शामिल हुईं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम

के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री श्री पुनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, जिला स्काउट एवं गाइड संघ के अध्यक्ष श्री ऐतराम साहू, छत्तीसगढ़ राज्य स्काउट गाइड के मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री पवन पटेल, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री देवीचंद राठौ, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति श्री संदीप दीवान, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्व-सहायता समूह की महिलाएं और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की यात्रा है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शासकीय जिम्मेदारी संभालने के बाद से वे निरंतर जनता की सेवा और देश के विकास के लिए कार्य

करते आ रहे हैं। विषम परिस्थितियों के बावजूद विकास की गति को बनाए रखने, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी प्रतिभा एवं क्षमता को अवसर देने के लिए अनेक पहल की गई हैं। ‘लखपति दीदी’ जैसे प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। झुन दीदी जैसी पहल के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। इसी तरह स्वच्छता, किसान कल्याण, युवा शक्ति और जनभागीदारी से जुड़े प्रयासों के माध्यम से विकास को व्यापक सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

श्रीमती चौधरी ने कहा कि आज महासमुंद जिले में हजारों स्थानों पर एक साथ प्रज्वलित हो रहे दीप सेवा, समर्पण, आशा और संकल्प के प्रतीक हैं। जब शासन की योजनाओं और विकास कार्यों के साथ समाज की सक्रिय सहभागिता जुड़ती है, तो विकास का संकल्प जनआंदोलन का रूप ले लेता है। उन्होंने कहा कि एक दीप से दूसरे दीप का प्रकाश जिस तरह फैलता है, उसी तरह सेवा, सुशासन और जनकल्याण का संदेश भी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिलेवासियों से आह्वान किया कि वे समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा और जनकल्याण के कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

धुएं से मुक्ति और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ी नीलो ठाकुर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा का संकल्प लेकर संचालित प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुविधा और राहत का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। बस्तर जिले के ग्राम पंचायत हाट पदमूर निवासी एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की श्रीमती नीलो ठाकुर के जीवन में भी इस योजना ने रसोई से जुड़ी वर्षों पुरानी कठिनाइयों को दूर कर सकारात्मक बदलाव लाया है। लकड़ी बीनने और धुएं के बीच खाना बनाने से मिली मुक्ति प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ मिलने से पहले नीलो ठाकुर परिवार के लिए भोजन तैयार करने के

लिए पारंपरिक चूल्हे और सूरखी लकड़ियों पर निर्भर थीं। उन्हें खाना पकाने के लिए जंगल से लकड़ियां एकत्र करनी पड़ती थीं। इसके बाद चूल्हे में लकड़ी जलाकर उठने वाले धुएं के बीच घंटों भोजन तैयार करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। लकड़ियां जुटाने में समय और शारीरिक श्रम लगता था, वहीं चूल्हे के धुएं के कारण रसोई में काम करना भी उनके लिए कठिन होता था। परिवार के लिए रोजाना भोजन तैयार करने की यह प्रक्रिया उनके दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। उज्ज्वला कनेक्शन ने बदली रसोई की तस्वीर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन मिलने के बाद नीलो ठाकुर की रसोई की तस्वीर बदल गई। अब वे गैस चूल्हे पर कम समय में आसानी से

भोजन तैयार कर पा रही हैं। पारंपरिक चूल्हे से निकलने वाले धुएं से राहत मिलने के साथ उनकी रसोई पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ और सुविधाजनक हो गई है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह आया कि अब उन्हें रोजाना जंगल से लकड़ियां एकत्र करने के लिए समय और श्रम नहीं लगाना पड़ता। बचा हुआ समय वे परिवार की देखभाल और अन्य घरेलू कार्यों में लगा पा रही हैं। अब खाना बनाना पहले से कहीं आसान अपने जीवन में आए बदलाव को लेकर नीलो ठाकुर प्रसन्नता व्यक्त करती हैं। उनका कहना है कि उज्ज्वला योजना ने उनकी रसोई को धुएं से मुक्त कर दिया है और खाना बनाना पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है। गैस कनेक्शन मिलने से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

‘आशीर्वाद का दिया से रोशन हुआ सेवा संकल्प, जनभागीदारी से विकसित भारत का संकल्प’

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान की पहली पहल ‘आशीर्वाद का दिया’ का आज सूरजपुर जिले में उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजन हुआ। जिले में 4 लाख 11 हजार 111 आशीर्वाद के दिए जलाकर सेवा, संकल्प और सकारात्मकता का संदेश दिया गया। जिला मुख्यालय स्थित रंगमंच में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शाम 7 बजे दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने भी दीप प्रज्वलित कर अपनी सहभागिता प्रदर्शित की। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि ‘आशीर्वाद का दिया’ के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री श्री



नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा और जनहित से जुड़े कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आगामी एक माह तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं और अनेक योजनाओं का लाभ

समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से पूरा होने वाला संकल्प है। इस लक्ष्य को हासिल करने में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लिए गए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णयों और शुरु की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370, नोटबंदी, तीन तलाक के विरुद्ध कानून तथा महिला आरक्षण से संबंधित कानून सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जनधन योजना के माध्यम से लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने, स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयास, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन तथा

आयुष्मान भारत के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया गया है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि किसानों के हित में भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अनेक परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से लोगों को विकास की इस यात्रा से जोड़ने और जनभागीदारी को प्रयास किया जा रहा है। सेवा, जनसहभागिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न आयोजनों के माध्यम से आगामी एक माह तक जिले में जनजागरूकता की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल पर बलौदाबाजार में ‘सेवा संकल्प अभियान’ का भव्य आगाज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के अथक जनसेवा और समर्पण काल के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर को बलौदाबाजार जिले में ‘सेवा संकल्प अभियान’ का ऐतिहासिक शुभारंभ हुआ। इस खास अवसर पर आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे जिले भर में एक साथ लगभग 11 लाख दीपक जलाकर जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त किया गया। जिला मुख्यालय स्थित चौपाटी में आयोजित मुख्य समारोह के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर इस महाअभियान की विधिवत शुरुआत की। दीप प्रज्वलन के मुख्य कार्यक्रम से पहले राजस्व मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने शहीद वीर नारायण सिंह चौक पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए माल्यार्पण किया। इसके पश्चात डोल-नगाड़ों की गूंज और भारी जनउत्साह के साथ चौक से चौपाटी तक एक भव्य रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का सबसे प्रमुख और मनमोहक केंद्र बिंदु विवेकानंद सरोवर बना, जहां सवा लाख दीयों की खर्बंजिम रोशनी और वृक्षों पर सजी रंग-बिरंगी लाइटों ने पूरे वातावरण को दिव्य और अलौकिक स्वरूप प्रदान कर दिया। सरोवर के शांत जल पर तैरती दीयों की परछाई को देखने के लिए शहरवासी उमड़ पड़े। समारोह में सांस्कृतिक छटा उस समय और भी निखर आई जब आर्केस्ट्रा टीम के देशभक्ति भजनों के बीच राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने अपने चिरप्रचलित अंदाज में खुद एक मनमोहक गीत गाकर उपस्थित जनसमुदाय को झूमने पर मजबूर कर दिया।

‘आशीर्वाद का दीया’ से जगमगाया सरगुजा, सेवा और समर्पण का लिया गया संकल्प



पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने भी ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलित कर इस अभियान में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि दीप भारतीय संस्कृति में प्रकाश, आशा, सद्भाव और सकारात्मकता का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सरगुजा की जनता की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 17 अक्टूबर तक एक माह चलेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई पात्र व्यक्ति शासकीय योजना के लाभ से वंचित है, तो शासन और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सेवा का अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदना, अवसर और विकास पहुंचाना है। हमारा संकल्प है कि शासन की हर योजना पात्र व्यक्ति तक

पहुंचे, शिक्षा का प्रकाश हर घर तक पहुंचे, प्रतिभाओं को मंच मिले।श्री अग्रवाल ने कहा कि इन 25 वर्षों में सरगुजा ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण, जनजाति विकास, ग्रामीण विकास, सड़क एवं अधोसंरचना, रोजगार एवं कौशल विकास, स्वच्छता, जल संरक्षण और सामाजिक जागरूकता सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन की यात्रा तय की है। विकास की असली पहचान जनता की मुस्कान, बच्चों की शिक्षा, किसान की प्रगति, महिलाओं के आत्मविश्वास और युवाओं के रोजगार से होती है। मंत्री श्री अग्रवाल ने आह्वान किया कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ को जन-जन का अभियान बनाएं। आशीर्वाद का दीया जलाएं, सेवा के संकल्प को दोहराएं

और सरगुजा की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। लुण्ड़ा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने सभी को सेवा संकल्प अभियान की शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि आज अलग-अलग स्थानों पर एक साथ प्रज्वलित हुए, दीप जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प की भावना के प्रतीक हैं। सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोपो ने कहा कि आज हम सभी को बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि लाखों दीयों से पूरा सरगुजा जगमगाने लगा है। यह दीया एकमात्र दीया नहीं, बल्कि एक लंबी यात्रा और लंबे संकल्प का प्रतीक है। दिए की इन लाखों लौ से आज पूरा हिंदुस्तान एक नया इतिहास रचने जा रहा है। हमारा देश दुनिया में एक अलग पहचान कायम कर रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दुर्ग नगर में सवा लाख दीयों के प्रकाश से हुआ रौशन



संख्या में भाई-बहन, युवा साथी और नागरिक एक साथ एकत्रित हुए तथा प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर सांसद श्री बघेल ने पूरे प्रदेशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए देश की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी

शुभेच्छाएं व्यक्त कीं। सांसद श्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर सेवा और समर्पण की भावना के साथ देश को नई दिशा देने और विकास की गति को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। चाहे स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, सुरक्षा, शिक्षा अथवा अन्य क्षेत्रों में विकास की बात हो, उन्होंने निरंतर देश की प्रगति के लिए कार्य किया है। कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में भी देश के सामने

अनेक चुनौतियां थीं। उस समय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आत्मविश्वास के साथ परिस्थितियों का सामना किया। उनके प्रयासों से देश में वैकसीन का निर्माण हुआ और बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया गया। भारत ने न केवल अपने नागरिकों को कोरोना से बचाव के लिए वैकसीन उपलब्ध कराई, बल्कि जरूरत के समय अनेक देशों को भी वैकसीन की आपूर्ति कर वैश्विक स्तर पर सहयोग की भावना का परिचय दिया। सांसद श्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई। आज भारत अनेक भाषाओं, क्षेत्रों और विविधताओं के बावजूद एकता के सूत्र में बंधा हुआ है। यही देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में दीप प्रज्वलित किए जा रहे हैं। आज सभी लोग एकजुट होकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना कर रहे हैं। छोटी नन्ही बच्ची ने आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में एक दीया जलाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। छोटी बच्ची द्वारा जलाया गया एक दीपक लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक श्री सुरेन्द्र कौशिक ने भी ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है। दीपों की यह रोशनी देश की एकता, प्रगति और उज्जवल भविष्य का भी प्रतीक है।